नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म.. 11

वर्ष - 02, अंक - 71 | गाजियाबाद / रविवार 14 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक मुद्दे पर ऐक्टिव हुए राहुल गांधी

बीजेपी के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा पटना में करेंगे स्टूडेंट सम्मेलन

पटना (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी देशभर में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर छात्र सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई को पटना में राहुल गांधी छात्रों को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन शिक्षा व्यवस्था में सुधार, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और युवाओं के रोजगार संबंधी मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। युवा कांग्रेस

के अनुसार सम्मेलन के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और मांगों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष रूप से नीट सहित अन्य भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे विषय प्रमुख रहेंगे। राहुल गांधी का यह अभियान कई शहरों में आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा से होगी।

आंधी-तूफान के साथ 'मौसम' की बड़ी मार

- **राजस्थान में रेलवे स्टेशन का शेड उखड़कर ट्रैक पर गिरा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तूफान आया। इससे होर्डिंग उड़ गई। लखनऊ में तेज आंधी आई, दिन में अंधेरा छा गया। हाथरस में बारिश के चलते कोतवाली सदर में पानी भर गया।

सड़कें डूब गईं। राजस्थान में शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और चूरू के कई इलाकों में हवा के साथ बारिश हुई। चूरू के श्रीमकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन पर लगा टिनशेड अंधड़ से रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इससे ट्रेनें लेट हो गईं। दिल्ली में शनिवार सुबह बारिश के चलते कई फ्लाइट्स लेट हुईं। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके कहा-खराब मौसम की वजह से उड़ानों के समय पर असर पड़ा है। मानसून की झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई।

बेटी तो बेटी होती है...

अखिलेश की बेटी के अपमान पर भड़के योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर प्रदेश में माहौल गर्म है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार किया। सपा प्रमुख की बेटी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर सपा ही नहीं भाजपा

और अन्य राजनीतिक दलों के नेता-कार्यकर्ता भी मुखर विरोध जता रहे हैं। वहीं शनिवार को अखिलेश यादव के निर्वाचन क्षेत्र आजमगढ़ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी पहली बार सार्वजनिक रूप से इसे लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया। सीएम योगी ने कहा कि बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कतई स्वीकार्य नहीं है। इसके साथ ही सीएम ने सपा प्रमुख को नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि जरूरत है कि सपा प्रमुख भी अपने लोगों को संस्कारित करें। उन्हें बताना चाहिए कि उनके लोग भी दूसरों की बेटियों का ध्यान रखें।

30 करोड़ वोटर कार्ड से हटेंगे धुंधले फोटो

- **चुनाव आयोग का घर-घर अभियान अब अंतिम दौर में पहुंचा**

मकान नंबर की जगह '00' नहीं लिखा जाएगा, पता दर्ज होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में पहुंच रहा है। अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटर्स के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है। इस बीच एक निजी अखबार ने पड़ताल की कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद मतदाता फोटो पहचान कार्ड यानी एपिक में क्या बड़े बदलाव आए हैं। एसआईआर के बाद अब तक तैयार 59 करोड़ मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं बल्कि रंगीन भी हैं। चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ज्यादा बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है। इसके लिए ईसी ने कोई फीस नहीं ली।

- **पहले कार्ड में फोटो नहीं थे, या फिर बहुत धुंधले-** पहले दौर में बिहार और सेकेंड फेज के 12 राज्यों के वोटर्स की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव कार्ड की फोटो का है। पहले के करीब 30 फीसदी वोटर कार्ड में फोटो थे ही नहीं। किसी में तो इतने धुंधले थे कि पहचानना मुश्किल था। वजह ये कि संविधान में फोटो आईडी कार्ड का जिक्र ही नहीं है। ऐसे में फोटो के लिए मतदाता को बाध्य नहीं किया जा सकता था। पड़ताल से पता चला कि करीब 30 करोड़ फोटो नदारद, धुंधले, पुराने या पहचान से परे थे। जो फोटो थे वे 20-30 साल पुराने थे।

- अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सबसे बड़ी बगावत

आधी रात टूटा दरवाजा, अब पार्टी पर संकट!

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद जब सड़कों पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चोर-चोर के नारे गूंजे थे, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि पार्टी और उसके नेतृत्व के लिए आने वाला समय बेहद चुनौतीपूर्ण होने वाला है। कभी पश्चिम बंगाल की राजनीति में अजेय मानी जाने वाली टीएमसी आज अपने सबसे बड़े अंदरूनी और बाहरी संकट से गुजर रही है।

'साइनगेट' का साया

कालीघाट आवास पर हुई यह छापेमारी कोई अकेली घटना नहीं है। ठीक दो दिन पहले ही पश्चिम बंगाल अपराध अन्वेषण विभाग ने राज्य विधानसभा से जुड़े बहुचर्चित जाली हस्ताक्षर मामले (जिसे साइनगेट कहा जा रहा है) में अभिषेक बनर्जी से लंबी पूछताछ की थी। यह मामला एक ऐसे समय में सामने आया है जब अभिषेक को कई जांच एजेंसियों द्वारा लगातार नए समन भेजे जा रहे हैं। जब ममता-अभिषेक की टीम अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है, तभी राज्य में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक और बड़ा धमाका कर दिया है।

असम के जोरहाट में एयरफोर्स का विमान क्रैश

- **पांच जवान शहीद, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश**
- **लैंडिंग के दौरान विमान में लगी आग, दो हिस्सों में टूटा**

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के जोरहाट में वायुसेना के एएन-32 विमान दुर्घटना में पांच वायुसेना के पांच जवान शहीद हुए हैं। वायुसेना का विमान क्रैश होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में लिखा है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है। गौरतलब हो कि यह घटना तब हुई जब विमान रोवरिया क्षेत्र स्थित वायुसेना स्टेशन में उतर रहा था।

'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश

भारतीय वायुसेना के एएन-32 विमान के असम के जोरहाट जिले में उतरते समय शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए गए हैं। वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा है कि आईएएफ (भारतीय वायुसेना) का एक एएन-32 विमान जोरहाट में उतरते समय आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए टीम गठित हो रही है।

सुबह 10 बजे हुआ था हादसा

शनिवार सुबह लगभग 10.00 बजे असम के जोरहाट में एक नियमित उड़ान के दौरान एएन-32 विमान का एक्सीडेंट हो गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि विमान में लैंडिंग के दौरान आग लगी है। इसके बाद वह दो हिस्सों में टूट गया। क्रैश की सूचना पहुंची दमकल ने तुरंत आग बुझाई लेकिन वायुसेना ने अपने पांच जांबाज सैनिक खो दिए। इस विमान का भारत में लंबा इतिहास रहा है, लेकिन 1986 से अब तक इस श्रेणी के विमानों के साथ 20 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हादसे के समय दृश्यता लगभग 200 मीटर साफ थी, इसलिए केवल मौसम को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जांच टीम तकनीकी खराबी या रखरखाव से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। यह दुर्घटना 13 जून 2026 को सुबह लगभग 10.00 बजे असम के जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन (रोवरिया हवाई अड्डा) के परिसर के भीतर हुई। विमान अपनी नियमित उड़ान पूरी करने के बाद जोरहाट एयरफील्ड पर उतरने का प्रयास कर रहा था। तभी अचानक विमान का संतुलन बिगड़ गया और वह निर्दिष्ट हवाई पट्टी से भटक कर क्रैश हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि विमान बीच से टूट गया।

- जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, दो महीने पहले उप सेना प्रमुख बने थे

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेनाध्यक्ष (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है। जनरल सेठ अभी उप सेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर कार्यरत हैं। वह 30 जून, 2026 से अपना पद संभालेंगे। वे जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जून 2024 में 30वें थल सेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला था। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के सबसे अनुभवी आर्मर्ड कॉर्प्स अधिकारियों में से एक हैं और उन्हें सेवा में लगभग चार दशक का अनुभव है। खड़कवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी से ग्रेजुएशन के बाद, दिसंबर 1986 में उन्हें आर्मर्ड कॉर्प्स में कमीशन मिला था।

कई मोर्चों पर संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

अपने शानदार करियर के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने आर्मर्ड रेजिमेंट और ब्रिगेड से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-रोधी फोर्स तक कई यूनिट्स की कमान संभाली है। उन्होंने सुदर्शन चक्र कॉर्प्स का नेतृत्व भी किया है और साउथ वेस्टर्न व सदर्न कमांड दोनों की कमान संभाली है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक आर्मी कमांडर बनने पर जनरल सेठ ने साउथ वेस्टर्न कमांड और सदर्न कमांड की कमान संभाली। उन्हें दो ऑपरेशनल आर्मी कमांड की कमान संभालने और ढाई साल से ज़्यादा समय तक अहम इलाकों में रणनीतिक देखरेख करने का दुर्लभ सम्मान मिला।

- **फोर्स के आधुनिकीकरण में है योगदान** - फोर्स के आधुनिकीकरण में अपने योगदान के लिए पहचाने जाने वाले जनरल सेठ ने आर्मी हेडक्वार्टर के रणनीतिक योजना और क्षमता विकास विभागों में अहम पदों पर काम किया है। उन्होंने इसके आधुनिकीकरण की दिशा, क्षमता रोडमैप और लंबे समय के लिए फोर्स की संरचना से जुड़ी पहलों को आकार दिया है। ऑपरेशनल जरूरतों को नई तकनीकों और भविष्य के युद्धक्षेत्र की जरूरतों के साथ जोड़ने में उनका योगदान बहुत अहम रहा है। एक कुशल सैन्य पेशेवर, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने पेशेवर सैन्य शिक्षा में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और ट्रेनिंग कोर्स में टॉप स्थान हासिल किए हैं।

दो महिला अफसरों के विवाद में फंसा सुप्रीम कोर्ट

- **रिटायर्ड जज से कहा-आईएएस रोहिणी और आईपीएस रूपा में कराएं सुलह**
- **कहा-आपसी लड़ाई में अपना कैरियर बर्बाद कर रही हैं दोनों महिला अफसर**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जज जस्टिस कुरियन जोसेफ से आग्रह किया है कि वे आईएएस अफसर रोहिणी सिंदुरी और आईपीएस रूपा मुदगिल के बीच चल रहे लंबे कानूनी विवाद में बीच-बचाव करें और इसका कोई स्थायी समाधान निकालें। जस्टिस जोसेफ के सामने ये दोनों महिला अधिकारी जुलाई में पेश होंगी।

जुलाई में जस्टिस कुरियन जोसेफ करेंगे सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट ने दोनों अफसरों से जुलाई में जस्टिस (रिटायर्ड) जोसेफ के सामने पेश होने का निर्देश दिया है।
- सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में दोनों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ चल रहे मानहानि के मुकदमों की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है।
- आईएएस रोहिणी और आईपीएस रूपा के बीच है लंबे समय से विवाद है।

- **कर्नाटक कैडर की महिला अफसरों का विवाद-** आईएएस रोहिणी सिंदुरी और आईपीएस रूपा मुदगिल दोनों ही कर्नाटक कैडर की ऑल इंडिया सर्विसेज की अधिकारी हैं और पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ मानहानि का मुकदमा लड़ रही हैं। दोनों के बीच इस झगड़े की शुरुआत 2023 में एक सार्वजनिक बहस से शुरू हुई थी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जोसेफ कुरियन से मध्यस्थता का आग्रह जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने की है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दोनों वरिष्ठ महिला अधिकारियों के बीच चल रही कानूनी लड़ाई को लेकर कहा कि ये अपना ही कैरियर बर्बाद कर रही हैं। बेंच ने दोनों अफसरों के वकीलों से कहा कि इनके बीच झगड़े का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से निकालने की संभावना तलाशें।

डीआरडीओ का महा-धमाका!

24 घंटे में 3 सफल मिसाइल टेस्ट

- अभेद्य हुआ भारत का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने रक्षा क्षेत्र में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर हासिल किया है। भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों के 'एलीट क्लब' में शामिल हो गया है, जिनके पास लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से बचाव करने की अचूक क्षमता है। भारत ने 10 और 11 जून को लगातार तीन मिसाइलों के सफल उड़ान परीक्षण किए, जिनमें बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) के साथ-साथ एंटी-शिप मिसाइल टेक्नोलॉजी भी शामिल है।

पाकिस्तान की नई मिसाइलों का मुंहतोड़ जवाब- सूत्रों ने बताया कि डीआरडीओ ने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस को इतनी उच्च प्राथमिकता इसलिए दी है, क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान मल्टीपल वॉरहेड वाली लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है। इसमें फतेह-1 , फतेह-2 और चीन मूल की सी 282 मिसाइलें शामिल हैं। भारत की यह नई तैयारी पाकिस्तान के इन्हीं मंसूबों का करारा जवाब है। इन

सफलताओं के साथ ही डीआरडीओ ने नेवल एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का पहला उड़ान परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस टेस्ट ने मध्यम दूरी पर इस मिसाइल की अचूक मारक क्षमता को साबित कर दिया है, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों के समुद्री हमले के विकल्प और ज्यादा मजबूत हो गए हैं। ये सभी परीक्षण डीआरडीओ और भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने इन मिशनों की बारीकी से निगरानी की। उन्होंने 24 घंटे के भीतर इतने जटिल परीक्षणों को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए डीआरडीओ के वैज्ञानिकों, उद्योग भागीदारों और सशस्त्र बलों के शानदार तालमेल की तारीफ की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस ऐतिहासिक कामयाबी पर डीआरडीओ को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मुकाबला करने में काम करेगी।

24 घंटे के भीतर 3 बड़े परीक्षण

डीआरडीओ के अनुसार, इन परीक्षणों ने लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल खतरों से निपटने के लिए भारत के बहुस्तरीय यानी मल्टी-लेयर्ड डिफेंस आर्किटेक्चर की ताकत को साबित किया है। परीक्षण के दौरान मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने अपने तय किए गए लक्ष्यों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया और उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया। यह सफलता भविष्य के उन्नत मिसाइल खतरों से निपटने के लिए देश की रक्षा प्रणाली को अभेद्य बनाती है।

2000 से 5000 किमी की रेंज, अचूक सुरक्षा चक्र

शीर्ष सरकारी सूत्रों के मुताबिक, डीआरडीओ ने दो ऐसे इंटरसेप्टर मिसाइलों का परीक्षण किया है, जो 2,000 किमी से 5,000 किमी के बीच मार करने वाली दुश्मन की इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों को निष्क्रिय करने में पूरी तरह सक्षम हैं। ये इंटरसेप्टर एक्सो-एटमॉस्फेरिक (वायुमंडल के बाहर) और एंडो-एटमॉस्फेरिक (वायुमंडल के भीतर) दोनों ही तरह के हैं। केंद्र सरकार ने फिलहाल इन इंटरसेप्टर्स के नाम उजागर नहीं किए हैं। परीक्षण पूरे होने के बाद अब इन्हें जल्द ही सेना द्वारा यूजर ट्रायल्स के लिए भेजा जाएगा। डीआरडीओ ने रक्षा क्षेत्र में बहुत बड़ा काम कर रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड सम्पन्न, 515 कैडेट बने सैन्य अधिकारी

देहरादून (शिखर समाचार)। देश की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में आयोजित भव्य पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी के रूप में भाग लिया। उन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें नियमित तथा 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की परेड की समीक्षा करते हुए नवप्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों को राष्ट्र सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर 481 भारतीय कैडेटों के साथ 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट भी सैन्य अधिकारी बने। अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी नहीं होते, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक होते हैं। उन्होंने नवप्रशिक्षित अधिकारियों से कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ भारत माता की रक्षा का संकल्प निभाने का आह्वान किया।इस वर्ष की पासिंग आउट परेड की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि 9 महिला कैडेटों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण कर सैन्य अधिकारी बनना रहा। भारतीय सैन्य अकादमी के इतिहास में इसे एक ऐतिहासिक पड़ाव माना जा रहा है। यह उपलब्धि महिला सशक्तिकरण और महिला नेतृत्व आधारित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सशक्त भारत के निर्माण की अवधारणा को नई ऊर्जा प्रदान करती है। राष्ट्रपति ने कहा कि 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेटों का प्रशिक्षण पूर्ण कर सैन्य अधिकारी बनना भारत की वैश्विक मित्रता, आपसी विश्वास और अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग के मजबूत होते संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने इसे विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और सैन्य प्रशिक्षण क्षमता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के इस दौर में भारतीय सेना को निरंतर नवाचार, आधुनिकता और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता विकसित करनी होगी। राष्ट्रपति ने युवा अधिकारियों से अग्रिम पंक्ति से नेतृत्व करने, उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा सैनिकों के कल्याण और सैन्य प्रभावशीलता के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय सैन्य अकादमी के समादेशक लेफ्टिनेंट जनरल नागेंद्र सिंह सहित सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

खराब मौसम के चलते एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा विमान

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में खराब मौसम का असर विमान उड़ानों पर भी पड़ा। चंडीगढ़ से जयपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट करीब एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही। मौसम खराब होने के कारण विमान को लैंडिंग की इजाजत नहीं मिली। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-7413 चंडीगढ़ से जयपुर के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट अपने तय समय से करीब 15 मिनट देरी से चल रही थी। फ्लाइट शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 5 मिनट पर जयपुर पहुंची। इसके बाद भी खराब मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो सकी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल के निर्देशानुसार जयपुर एयरपोर्ट के आस-पास होल्डिंग पैटर्न में रखा। इस दौरान विमान करीब एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और मौसम की स्थिति सामान्य होने का इंतजार करता रहा। मौसम में सुधार और विजिबिलिटी बेहतर होने के बाद रात करीब 12 बजकर 10 मिनट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट के तय समय से काफी देर तक हवा में रहने के कारण पैसेंजर्स के बीच चिंता और बेचैनी का माहौल था। कई पैसेंजर्स लगातार फ्लाइट के लैंड नहीं होने से परेशान नजर आए। हालांकि एयरलाइन और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की ओर से सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी जरुरी मानकों का पालन किया गया। फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग के बाद पैसेंजर्स ने राहत की सांस ली। बता दें पिछले कुछ दिनों से जयपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम लगातार बदल रहा है। तेज हवाओं, आंधी और बादलों की आवाजाही के कारण हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। मौसम खराब होने की स्थिति में फ्लाइट्स को होल्ड पर रखना या वैकल्पिक एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना फ्लाइट सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है।

दिल्ली दंगा : शरजील इमाम ने फिर मांगी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगा मामले के आरोपी शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा अदालत में नई जमानत याचिका दायर की है। अदालत ने याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगकर अगली सुनवाई 4 जुलाई को तय की है। शरजील इमाम ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि वह पिछले करीब छह वर्षों से न्यायिक हिरासत में हैं और उनकी पिछली जमानत अर्जी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 जनवरी, 2024 को खारिज करने के बाद से मुकदमे की सुनवाई में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने इमाम की जमानत याचिका को अस्वीकार किया था। उस फैसले के बाद अब उन्होंने निचली अदालत का दरवाजा खटखटाया है, इसमें लंबी अवधि की हिरासत और मुकदमे में हो रही देरी को जमानत का मुख्य आधार बनाया है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। पुलिस के जवाब और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर अदालत 4 जुलाई को आगे की सुनवाई करेगी। बात दें कि इमाम दिल्ली दंगों से संबंधित मामलों में लंबे समय से जेल में बंद हैं। उनकी ओर से लगातार यह दलील दी है कि मुकदमे में हो रही देरी को देखकर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। वहीं, अभियोजन पक्ष लगातार गंभीर आरोपों का हवाला देकर उनकी जमानत का विरोध कर रहा है। इस नई याचिका पर अदालत का फैसला दोनों पक्षों की दलीलों और मामले की वर्तमान प्रगति के आकलन के बाद ही सामने आएगा, जो इस हाई-प्रोफाइल मामले में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

एयर अरबिया की फ्लाइट की कोच्चि में इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। शारजाह से कोझिकोड जा रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में शनिवार तड़के तकनीकी खराबी आने के बाद कोच्चि के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में सवार सभी 179 यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि एयर अरबिया की फ्लाइट जी9-454 में इंजन के रिवर्स थ्रस्ट सिस्टम से जुड़ी तकनीकी समस्या का पता चला था। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुबह 3:19 बजे 'लोकल स्टैंडबाय' घोषित किया गया। इसके कुछ ही मिनट बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुबह 3:34 बजे 'फुल इमरजेंसी' लागू कर दी गई, जिससे सभी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट पर रखा जा सके। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद तकनीकी टीम ने खराबी की जांच और मरम्मत का कार्य किया। आवश्यक परीक्षण पूरे होने के बाद विमान को दोबारा उड़ान भरने की अनुमति दी गई। इसके बाद फ्लाइट सुबह 7:15 बजे कोझिकोड के लिए रवाना हो गई। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया और किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। समय रहते तकनीकी समस्या का पता चल जाने और त्वरित कार्रवाई के कारण एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

गैस रिसाव से चार युवकों की मौत

रामगढ (एजेंसी)। रामगढ़ जिले के गिद्दी-रामगढ़ सीमावर्ती वन क्षेत्र में एक बंद खदान में गैस रिसाव से चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब ये लोग खदान के भीतर उत्खनन कार्य कर रहे थे। मृतकों की पहचान आशीष रजवार (25), किशोर रवानी (35), देवा कुमार बेदिया (25) और डब्लू बेदिया (30) के रूप में हुई है। घटना के वक्त सबसे पहले एक युवक गैस रिसाव की चपेट में आया और वहीं बेहोश होकर गिर गया। उसके बाकी तीन साथी उसे बचाने के लिए खदान में उतरे तो वो भी जहरीली गैस की चपेट में आकर वहीं गिर। उनके एक अन्य साथी ने गांव वालों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। चारों युवकों को तत्काल पुलिस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने इनमें से दो को अस्पताल पहुंचने पर मृत बताया। वहीं अन्य दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सीएम सतीशन को जान से मारने की धमकी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सोनी थॉमस को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य विधायक टी.के. गोविंदन ने भी इसी तरह की धमकी मिलने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शामएक अज्ञात व्यक्ति ने तिरुवनंतपुरम शहर जिला पुलिस कमान एवं नियंत्रण केंद्र को फोन किया और मुख्यमंत्री और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। एफआईआर के अनुसार, कारण पूछे जाने पर, फोन करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री सतीशन को पसंद नहीं करता। एफआईआर में कहा गया है कि फोन उठाने वाले पुलिस अधिकारी को गाली देने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर पूछा कि क्या मुख्यमंत्री के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अमेरिकी हमलों में भारतीयों की मौत: स्वामी ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदू राष्ट्रवादी नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने ओमान तट पर अमेरिकी सेना द्वारा तीन भारतीय नाविकों की हत्या को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। पूर्व राज्यसभा सांसद स्वामी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में रीढ़ की हड्डी बची है, तब उन्हें सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति को फोन करके विरोध जताना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को तलब करने के बाद की।

बीजेपी नेता स्वामी ने विदेश मंत्रालय के अमेरिकी दूतावास से बात करने पर सवाल उठाकर स्पष्ट रूप से कहा, हालांकि, मुझे पता है कि मोदी ऐसा क्यों नहीं करने वाले है। भारत ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारी को दो बार तलब किया, और कहा कि भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना के घातक और जानलेवा हमले अस्वीकार्य हैं।

यह पहली बार था जब मोदी सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि अमेरिकी नौसेना ने भारतीय चालक दल वाले जहाजों को निशाना बनाया था। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिकी कार्रवाई में 10 जून को पलाऊ के ध्वज वाले टैंकर सेटेबेलो पर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई थी। विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को संवेदनशील क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने वाला बताया और तत्काल रोकने की मांग की।

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारी से भारत की चिंताओं को वाशिंगटन तक पहुंचाने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य बल नागरिकों के जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि 8 जून को मैरीवेक्स (24 भारतीय नाविक सुरक्षित) और गुरुवार को जलवीर (20 भारतीय नाविक) पर हुए हमले भी अमेरिकी नौसेना की ओर से किए गए थे।

नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे राहुल गांधी, 17 जून से होगी शुरुआत

वेणुगोपाल बोले- यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नीट-यूजी और कई अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इन सम्मेलनों के जरिए छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के जरिए से नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी।

कांग्रेस ने 8 जून को अपने महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक में यह फैसला किया था कि नीट मामले, चुनावों से पहले सीट चोरी किए जाने, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा। वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के सशक्त नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और मोदी सरकार द्वारा भारत के युवाओं के साथ किए जा रहे विश्वासघात के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के बड़े सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी और फिर 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में यह सम्मेलन होंगे। उनके मुताबिक इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित, सभी लोग शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत कांग्रेस देश भर में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी और स्थानीय इकाइयों के जरिए बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचने और उन्हें एकजुट करने के राहुल गांधी के आह्वान को आगे बढ़ाएगी। वेणुगोपाल ने कहा कि लोगों के बीच मौजूदगी और डिजिटल माध्यम, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद जैसे कार्यक्रम बड़े पैमाने पर किए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का मानना है कि युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए। इसी सोच के साथ यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा और प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने और बार-बार परीक्षा में विफलता और पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही की मांग करने का मंच प्रदान करेगा। वेणुगोपाल ने कहा कि यह आंदोलन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पहले उठाई गई मांगों को सड़कों पर ले जाएगा।

बिजनौर में हाई वोल्टेज ड्रामा: प्यार में नाकाम युवक आधी रात को चढ़ा मोबाइल टावर, पुलिस की सूझबूझ से बची जान

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा क्षेत्र के अलादीनपुर गांव में शुक्रवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रेम प्रसंग में असफल एक युवक आत्महत्या के इरादे से मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक टावर से नीचे कूदने की धमकी दे रहा था, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घंटों की मशक्कत और सूझबूझ का परिचय देते हुए युवक को सकुशल नीचे उतार लिया। जानकारी के अनुसार बुढ़नपुर गांव निवासी फैजान आलम प्रेम संबंधों में असफल होने के कारण मानसिक तनाव से गुजर रहा था। शुक्रवार रात करीब 12 बजे वह अलादीनपुर गांव में स्थित एक ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। रात के अंधेरे में युवक को टावर पर चढ़ा देख ग्रामीणों के होश उड़ गए। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। युवक बार-बार नीचे कूदकर जान देने की धमकी दे रहा था, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 के माध्यम से स्योहारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। रात का घना अंधेरा और टावर की ऊंचाई पुलिस के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रही थी। इसके बावजूद पुलिस ने धैर्य और संयम बनाए रखते हुए युवक को सुरक्षित बचाने की रणनीति तैयार की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी संजय सिंह ने सिपाही अमजद खान तथा कुछ स्थानीय ग्रामीणों की मदद ली। पुलिसकर्मी स्वयं टावर पर चढ़े और फैजान से बातचीत शुरू की। उन्होंने युवक को शांत करने और उसका विश्वास जीतने का प्रयास किया। काफी देर तक पुलिसकर्मी उससे बातचीत करते रहे और उसे समझाते-बुझाते रहे। इस दौरान

पुलिस ने अत्यंत धैर्य और सूझबूझ का परिचय देते हुए युवक का ध्यान भटकाए रखा, ताकि वह कोई गलत कदम न उठा सके। करीब कई घंटों तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे और रेस्क्यू अभियान के बाद पुलिस टीम को सफलता मिली। पुलिसकर्मियों ने फैजान को सुरक्षित तरीके से टावर से नीचे उतार लिया। युवक के नीचे उतरते ही वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने युवक को आवश्यक परामर्श देने के साथ उसके परिजनों को भी घटना की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता, धैर्य और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यदि पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंचती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस अधिकारियों ने भी लोगों से अपील की कि मानसिक तनाव या किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत समस्या की स्थिति में आत्मघाती कदम उठाने के बजाय परिवार, मित्रों अथवा विशेषज्ञों की सहायता लें। पुलिस की सूझबूझ और सतर्कता से एक युवक की जान बच गई और संभावित बड़ा हादसा टल गया।

कैब सेवा क्षेत्र में नई उम्मीद: 'ट्रू कॉस्ट' के आगमन से यात्रियों को पारदर्शी किराया, ड्राइवरों को बेहतर आय का भरोसा

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। देश के ऑनलाइन कैब सेवा क्षेत्र में जल्द ही एक नया नाम लोगों के बीच चर्चा का विषय बनने जा रहा है। 'ट्रू कॉस्ट'नामक उभरता हुआ कैब प्लेटफॉर्म पारदर्शी किराया व्यवस्था और ड्राइवर-केंद्रित मॉडल के साथ भारतीय बाजार में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन कैब सेवाओं ने लोगों की यात्रा को अधिक सुविधाजनक और आसान बनाया है। अब 'ट्रू कॉस्ट' यात्रियों को स्पष्ट, उचित और पहले से तय किराया उपलब्ध कराने के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ रहा है, ताकि यात्रा के दौरान किराए को लेकर किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति न बने। कंपनी का फोकस केवल यात्रियों तक सीमित नहीं है,

TruCost
Ride More Pay Less

बल्कि ड्राइवरों को बेहतर आय के अवसर और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कंपनी का मानना है कि जब ड्राइवर आर्थिक रूप से मजबूत होंगे और उन्हें बेहतर अवसर मिलेंगे, तब वे यात्रियों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान कर सकेंगे। परिवहन क्षेत्र के जानकारों के अनुसार भारत में कैब सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और ग्राहक अब सुविधा के साथ-साथ पारदर्शिता, भरोसा और उचित मूल्य को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। 'ट्रू कॉस्ट' इसी सोच को केंद्र में रखकर अपनी सेवाओं का विस्तार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कंपनी अपने घोषित उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने में सफल रहती है, तो यह यात्रियों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बनने के साथ-साथ हजारों ड्राइवरों के लिए बेहतर आय और सम्मानजनक रोजगार का माध्यम भी साबित हो सकती है। कैब सेवा क्षेत्र में 'ट्रू कॉस्ट' का आगमन यात्रियों और ड्राइवरों, दोनों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला कदम माना जा रहा है।

जन चौपाल में गूंजा विकास का संदेश, प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने सुनीं जन समस्याएं

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने शनिवार को विकासखंड सिंभावली के ग्राम खुडलिया में आयोजित जन चौपाल में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को केंद्र सरकार के 12 वर्ष एवं प्रदेश सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

जन चौपाल में प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कस्बा सिंभावली में पेयजल संकट का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इस पर प्रभारी मंत्री ने जल निगम के अधिकारियों को दो दिन के भीतर समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जन चौपाल में विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष कविता माधरे, मुख्य विकास

अधिकारी श्रुति शर्मा, एसडीएम श्रीराम यादव, तहसीलदार न्यायिक वेद प्रकाश सोनी, बीडीओ श्रुति सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी सीमा बालियान सहित स्वास्थ्य, कृषि, विद्युत, वन, जल निगम, सिंचाई, उद्योग एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर राजीव सिरोही, देवेंद्र प्रधान, आशीष चौधरी, कृष्णवीर सिंह, मोहन सिंह, राजीव शर्मा, अनिल गोयल, हेमंत कंसल, राहुल राणा, परविंदर सिंह, सविंदर सिंह, हुकम सिंह, लक्ष्मी नारायण शर्मा, राजू, सुनील गर्ग, विपुल तथा राकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं और उनके समाधान की मांग की।

आईएमएस गाजियाबाद में अत्याधुनिक मीडिया स्टूडियो का शुभारंभ, विद्यार्थियों को मिलेगा आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में स्थापित अत्याधुनिक मीडिया स्टूडियो का शनिवार को भव्य शुभारंभ किया गया। इस स्टूडियो की स्थापना विद्यार्थियों को आधुनिक मीडिया तकनीकों से जोड़ने तथा उन्हें मीडिया उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है।

शुभारंभ समारोह में संस्थान के महासचिव डॉ. राकेश छारिया, कार्यकारी परिषद सदस्य विदुर छारिया, वरिष्ठ समाचार एंकर सईद अंसारी, अभिनेता एवं समाचार प्रस्तोता श्रीवर्धन त्रिवेदी, एनडीटीवी के प्रबंध संपादक अखिलेश शर्मा, प्रसिद्ध रेडियो जॉकी आर.जे. मिशा, लोकप्रिय इन्फ्लुएंसर शिखर चौधरी तथा संस्थान की निदेशिका डॉ. जसकीरन कौर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर स्टूडियो का उद्घाटन किया।

संस्थान द्वारा स्थापित यह मीडिया स्टूडियो आधुनिक तकनीकों और उन्नत उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें पॉडकास्ट रिकॉर्डिंग कक्ष, पेशेवर टेलीविजन स्टूडियो, हरित पर्दा (क्रोमा) स्टूडियो, रेडियो कार्यक्रम निर्माण इकाई तथा प्रिंट मीडिया निर्माण प्रयोगशाला जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इन सभी इकाइयों में मीडिया उद्योग में

उपयोग होने वाली नवीनतम तकनीकों का समावेश किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य वातावरण का अनुभव प्राप्त होगा और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। इस अवसर पर डॉ. राकेश छारिया ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया क्षेत्र तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक दक्षता भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह मीडिया स्टूडियो विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने और उनके करियर को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

निदेशिका डॉ. जसकीरन कौर ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है। यह स्टूडियो विद्यार्थियों को रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और पेशेवर उत्कृष्टता विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यहां से प्रशिक्षित विद्यार्थी मीडिया जगत में अपनी अलग पहचान स्थापित करेंगे।

मुख्य अतिथि सईद अंसारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया में सफलता का आधार निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, जिज्ञासा और ईमानदारी है। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को इस स्तर की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, उनके पास स्वयं को उद्योग के लिए तैयार करने का सुनहरा अवसर है। तकनीक का सही उपयोग और कड़ी मेहनत उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

भौराकलां में कश्यप समाज की पंचायत, झूठा मुकदमा दर्ज करने का आरोप

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भौराकलां गांव में शनिवार को कश्यप समाज की पंचायत आयोजित की गई, जिसमें समाज के लोगों ने पुलिस पर झूठा मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाया। पंचायत में निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो महापंचायत आयोजित की जाएगी। महर्षि कश्यप एकता संगठन के अध्यक्ष मास्टर सुशील कश्यप के नेतृत्व में आयोजित पंचायत में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। कश्यप समाज के खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप ने बताया कि भौराकलां निवासी आशीष और आवेश पशुओं के लिए चारा लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ता देने को लेकर उनकी एक दारोगा से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इस घटना के बाद पुलिस ने दोनों युवकों के विरुद्ध हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। पंचायत में वक्ताओं ने कहा कि मामूली विवाद

को गंभीर आपराधिक मामले का रूप देकर युवकों को फंसाया गया है। समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर युवकों पर लगाई गई गंभीर धाराओं को हटाने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पंचायत के दौरान समाज के जिम्मेदार लोगों और पुलिस अधिकारियों के बीच वार्ता भी हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अक्षय संजय महाडीक ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया है। आश्वासन के बाद समाज के प्रमुख लोगों ने आपसी विचार-विमर्श कर पंचायत को चार दिनों के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि चार दिनों के भीतर मामले में न्यायोचित कार्रवाई नहीं हुई और उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो कश्यप समाज की ओर से बड़ी महापंचायत बुलाई जाएगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। पंचायत में राकेश कश्यप, ओमपाल कश्यप, मांगेराम कश्यप, मास्टर नीटू, अमित कश्यप सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पंचायत के दौरान समाज में एकजुटता बनाए रखने और कानूनी तरीके से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने किया बाढ़ सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद को बाढ़ एवं नदी कटाव से सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिले में संचालित विभिन्न बाढ़ सुरक्षा एवं कटाव निरोधक परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सबसे पहले ग्राम मिजार्पुर स्थित गलका मंदिर के निकट गंगा नदी तट पर पहुंचीं। यहां सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत एक नए स्टड का निर्माण तथा एक पुराने स्टड की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बाद ऐतिहासिक गलका मंदिर तथा मिजार्पुर गांव को गंगा नदी के कटाव और बाढ़ के खतरे से स्थायी सुरक्षा मिलेगी।

इसके बाद जिलाधिकारी ने मालन नदी पर स्थित बाकरपुर-यूसुफपुर तटबंध के सुदृढ़ीकरण एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि तटबंध के मजबूत होने से यूसुफपुर, बाकरपुर, इमामपुर सहित आसपास के दर्जनों गांवों को बाढ़ के खतरे से राहत मिलेगी। साथ ही प्रतिवर्ष होने वाले जन-धन के नुकसान को भी प्रभावी रूप से रोका जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर तथा उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि मानसून के दौरान ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, अधिशासी अभियंता अफजलगढ़ सिंचाई खंड अवधेश कुमार शर्मा, सहायक अभियंता, अवर अभियंता तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

12 वर्षों में विकास, विश्वास और जनकल्याण का नया अध्याय लिखने का दावा

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रेसवार्ता में सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखते हुए कहा गया कि बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। वक्ताओं ने कहा कि जनता के विश्वास और सरकार की सेवा भावना ने भारत को नई दिशा देने का कार्य किया है। लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिले जनादेश को जनता के भरोसे का प्रतीक बताते हुए कहा गया कि देश अब केवल वादों पर नहीं बल्कि कार्यों और परिणामों पर विश्वास करता है। प्रेसवार्ता में बताया गया कि सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवाओं को केंद्र में रखकर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं। जनधन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले गए, जबकि मुफ्त राशन योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना,

प्रधानमंत्री आवास योजना और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं से करोड़ों परिवारों को लाभ मिला है। किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत करोड़ों किसानों के खातों में सीधे आर्थिक सहायता भेजी गई है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र को मजबूती मिली है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया है। वक्ताओं ने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश के आधारभूत ढांचे में ऐतिहासिक विस्तार हुआ है। ग्रामीण सड़कों, राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे नेटवर्क, मेट्रो सेवाओं और हवाई अड्डों के विकास ने देश की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान की है। वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत स्टेशन योजना और विभिन्न एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को नए भारत की पहचान बताया गया। डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा गया कि इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का विस्तार गांवों तक पहुंच चुका है। भारतनेट परियोजना के माध्यम से लाखों ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। साथ ही सौर ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। प्रेसवार्ता में यह भी कहा गया कि विकास के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव को भी नई पहचान मिली है। विभिन्न राष्ट्रीय स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों और ऐतिहासिक व्यक्तित्वों से जुड़े कार्यों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत किया गया है। वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत और भरोसेमंद राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, बढ़ते विदेशी निवेश और अनेक देशों के साथ मजबूत होते संबंध इसकी पुष्टि करते हैं। प्रेसवार्ता के दौरान कहा गया कि सरकार का लक्ष्य विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है और बीते 12 वर्षों की उपलब्धियां उसी दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं। सरकार का दावा है कि विकास, सुरक्षा, सुशासन और जनकल्याण की यह यात्रा आने वाले वर्षों में भी इसी गति से आगे बढ़ती रहेगी।

डंपर की टक्कर से युवक की मौत, पिता गंभीर; एक अन्य बाइक सवार भी घायल

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना-रायपुर मार्ग पर शुक्रवार शाम हुए एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक अन्य बाइक सवार भी चोटिल हो गया। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी मुनीर अहमद अपने 18 वर्षीय पुत्र अजमल के साथ बाइक से नगीना से घर लौट रहे थे। मुनीर अहमद बाइक चला रहे थे। जब उनकी बाइक नगीना-रायपुर मार्ग पर ग्राम बेलडी के निकट पहुंची, तभी सामने से आ रहे रेत से भरे एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के पीछे बैठे अजमल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुनीर अहमद गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एम्बुलेंस की सहायता से मृतक के शव तथा घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सा प्रभारी डॉ. विशाल दिवाकर ने बताया कि मुनीर अहमद की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसी दौरान ग्राम मानवाला निवासी गौरव चौहान भी अपनी बाइक से उसी मार्ग से गुजर रहे थे। डंपर से बचने के प्रयास में उनकी बाइक भी डंपर से टकरा गई, जिससे उन्हें चोटें आईं। चिकित्सकों के अनुसार गौरव को मामूली चोटें आई थीं। उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपर को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रभारी मंत्री के.पी. मलिक ने विकास कार्यों की समीक्षा की, अधिकारियों को गुणवत्ता और जनहित को प्राथमिकता देने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद हापुड़ के प्रभारी मंत्री के.पी. मलिक की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और अपने अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में संचालित सभी विकास कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

बैठक में उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य आम जनता को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना है, इसलिए यह सुनिश्चित

किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराने पर जोर दिया। पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी पेयजल परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाई जाए। जहां कहीं भी पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र ठीक कराया जाए तथा निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराकर जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

स्वच्छता व्यवस्था को लेकर उन्होंने नगर पालिका परिषदों के अधिशासी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्रों में नियमित रूप से कूड़ा संग्रहण कराया जाए तथा स्वच्छता अभियान को निरंतर गति दी जाए। वर्षा ऋतु को देखते हुए नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने विकास कार्यों की निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने पर भी बल दिया। बैठक के दौरान के.पी. मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास और सुशासन की भावना को और अधिक मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को नई गति देने और विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। जब प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर जनहित में कार्य करेंगे, तभी उत्तर प्रदेश एक उत्तम और प्रगतिशील प्रदेश के रूप में अपनी पहचान को और सुदृढ़ कर सकेगा। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने विभागों की उपलब्धियों और प्रगति की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा जनपद के विकास को गति देने में कोई कमी न रहने दें।

लोनी पुलिस ने मुठभेड़ में 50000 के एक ईनामी को किया गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी पुलिस ने मुठभेड़ में 50 हजार के ईनामी गौरव नागर को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में गौरव के दोनों पैरों में गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसके कब्जे से एक स्विफ्ट कार, 1 पिस्टल, 2 जिंदा व 2 खोखा कारतूस बरामद किए। गौरव ओमकार के अपहरण के मामले में फरार चल रहा था और इसके ऊपर ईनाम घोषित किया गया था। पुलिस लगातार इसकों गिरफ्तार करने के लिए इसके संदिग्ध स्थानों पर दबिश दे रही थी। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि थाना लोनी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गनौली के ओमकार सिंह के अपहण का

ईनामी अभियुक्त बंथला से चिरोड़ी की तरफ आ रहा है। सूचना पर पुलिस टीम बंथला चिरोड़ी मार्ग पर नहर के पास चेकिंग करने लगी तभी एक सफेद स्विफ्ट कार बंथला की तरफ से चिरोड़ी आती हुई दिखाई दी, जिसे रुकने का इशारा किया तो नहीं रुकी। पुलिस टीम ने पीछा किया गया तो गाड़ी सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से टकरा गई और कार चालक कार से उतरकर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करके भागने लगा। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिसमें बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी। उसे घायल अवस्था में उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर ओमकार पुत्र राममेहर निवासी ग्राम गनौली, थाना लोनी, गाजियाबाद का अपहरण कर हत्या कर शव रोहटा मेरठ रोड पर गंगानगर में फेंक दिया था, जिसके संबंध में थाना लोनी पर मुकदमा पंजीकृत है।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 7 चोरी की मोटरसाइकिलें और अवैध असलहा बरामद

गढ़मुक्तेश्वर/बहादुरगढ़ (शिखर समाचार)। बहादुरगढ़ पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए शातिर वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न जनपदों से चोरी की गई सात मोटरसाइकिलें तथा अवैध असलहा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त मेरठ, गाजियाबाद और हापुड़ जनपदों में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अमरपाल निवासी ग्राम बागड़पुर तथा जितेंद्र

निवासी ग्राम अल्लाबकसपुर, थाना गढ़मुक्तेश्वर सहित एक अन्य साथी के रूप में बताए। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके विरुद्ध मेरठ, गाजियाबाद तथा हापुड़ जनपदों के विभिन्न थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में करीब एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास और उनके अन्य साथियों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। बहादुरगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई को वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाइक में छिपा बैठा था सांप, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित प्लाजा के बाहर खड़ी एक बाइक में शनिवार को सांप घुस जाने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षित रेस्क्यू अभियान चलाकर सांप को पकड़ लिया। बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ निवासी जगमोहन अपनी बाइक

से रेलवे रोड पहुंचे थे। प्लाजा के बाहर बाइक खड़ी करते समय उन्हें वाहन के अंदर सांप होने का आभास हुआ। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बाइक के विभिन्न हिस्सों की सावधानीपूर्वक जांच की। काफी प्रयास के बाद सांप को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सांप को विशेष कंटेनर में रखकर जंगल में छोड़ दिया गया। रेस्क्यू पूरा होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। डीएफओ गौतम सिंह ने बताया कि सांप पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में वे सुरक्षित स्थान की तलाश में वाहनों और घरों में पहुंच जाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि सांप दिखाई देने पर घबराएं नहीं और न ही स्वयं पकड़ने का प्रयास करें, बल्कि तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

शटडाउन के बावजूद हाईटेंशन लाइन में आया करंट, लाइनमैन गंभीर रूप से झुलसा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन की मरम्मत के दौरान करंट लगने से एक लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना को लेकर संविदा कर्मचारियों में रोष व्याप्त है और उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच के साथ पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन में आई खराबी को ठीक करने के लिए लाइनमैन पोल पर चढ़ा था। बताया जा रहा है कि कार्य शुरू करने से पहले उसने विधिवत शटडाउन

लिया था। इसके बावजूद अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और नीचे गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल घायल लाइनमैन को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारी और संविदा कर्मी भी अस्पताल पहुंच गए। हादसे के बाद कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही घायल कर्मचारी के उपचार का पूरा खर्च विभाग द्वारा वहन करने और उसके परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग भी उठाई है।

संक्षिप्त समाचार

सपा मुखिया की बेटी पर अभद्र टिप्पणी के मामले में तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कानपुर, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के मुखिया की बेटी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में सपा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव एडवोकेट ने तीन लोगों के खिलाफ साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। साइबर थाना प्रभारी सतीश यादव का कहना है कि जांच की जा रही है।

नौ जून को सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी पर सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र टिप्पणी की गई थी। इसे लेकर यूपी और एमपी के कई जिलों में सपा नेताओं की ओर थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसी कड़ी में गुरुवार देर शाम साइबर थाने में अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव ने भी तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपियों में भरत कुमार पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद कुमार यादव हैं। इनके पते अज्ञात हैं। राष्ट्रीय सचिव के मुताबिक मुख्य टिप्पणी भरत पटेल की ओर से की गई है जिस पर बाकी दोनों आरोपियों ने अभद्र कमेंट किए हैं।

कहना है कि उक्त टिप्पणी से सपा मुखिया के परिवार की छवि धूमिल हुई है। लिहाजा आरोपी की सही पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साइबर थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपियों का पता किया जा रहा है। जल्द ही उनके खिलाफ उचित कार्रवाई भी की जाएगी।

जरूरतमंदों का सहारा बनी आशा-सुमन रसोई

अलीगढ़ , एजेंसी। महंगाई के दौर में जहां भरपेट भोजन जुटाना कई जरूरतमंदों के लिए चुनौती बना हुआ है, वहीं गांधी आई हॉस्पिटल में संचालित 'आशा-सुमन रसोई' सेवा और मानवता का प्रेरणादायक उदाहरण पेश कर रही है। यहां मरीजों के तीमारदारों और जरूरतमंद लोगों को मात्र 20 रुपये में पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्ष 2017 में शुरू हुई इस पहल का संचालन डॉ. कंचन गुप्ता और डॉ. अमित गुप्ता अपनी माता स्वर्गीय आशा गुप्ता तथा सास स्वर्गीय सुमन गुप्ता की स्मृति में कर रहे हैं। रसोई में मिलने वाली थाली में दाल, चार रोटियां, सब्जी, रायता, सलाद और मिठाई शामिल होती है।

डॉ. कंचन गुप्ता ने बताया कि प्रतिदिन करीब 150 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के तीमारदारों को कम खर्च में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। रसोई के संचालन में देवकी, ऊषा, नीरा और प्रेमवती की महत्वपूर्ण भूमिका है। गांधी आई ट्रस्ट के सहयोग से संचालित यह रसोई समाज में सेवा, करुणा और मानवता का संदेश दे रही है।

महंगाई विरोधी प्रदर्शन में गूंजे सपा मुर्दाबाद के नारे

अलीगढ़ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के महंगाई विरोधी प्रदर्शन के दौरान उस समय अजीब स्थिति बन गई, जब सिविल लाइन से कलेक्ट्रेट तक मार्च के दौरान समाजवादी पार्टी मुर्दाबाद के नारे सुनाई दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

बृहस्पतिवार को जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर की अध्यक्षता में सपा कार्यकर्ताओं ने महंगाई, बेरोजगारी, नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण अनियमितताओं, महिलाओं के खिलाफ अपराध और किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बादशाह खान ने किया।

प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शान मियां, प्रदेश सचिव सुरेंद्र सिंह नायक, रामकुमार नागर, आचार्य पूरनमल प्रजापति, वरिष्ठ नेता देवेंद्र प्रधान, सरदार करतार सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजीव यादव आदि मौजूद रहे।

रात में पैदल भी नहीं जा सकेंगे यात्री, मरम्मत का कार्य दो महीने तक चलेगा

वाराणसी, एजेंसी। मालवीय पुल पर मरम्मत का काम होगा। इसके कारण 14 जून से 13 अगस्त तक रात में यातायात प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध मालवीय पुल के ड्रेनेज स्पाउट और एक्सपेंशन जॉइंट की विशेष मरम्मत के लिए लगाया गया है। यातायात पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी ने इस अवधि के लिए वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की है।

मरम्मत कार्य प्रतिदिन रात 10 बजे से सुबह 6:30 बजे तक चलेगा। इस दौरान मालवीय सेतु, जिसे राजघाट पुल भी कहा जाता है, पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। पैदल यात्रियों को भी पुल से गुजरने की अनुमति नहीं होगी। नमो घाट से पड़ाव और पड़ाव से नमो घाट की ओर जाने वाले मार्ग विशेष रूप से प्रभावित होंगे।

यातायात डायवर्जन योजना: पड़ाव चौराहे से नमो घाट और भदऊं चुंगी की तरफ आने वाले वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। इन वाहनों को पड़ाव चौराहे से रामनगर की ओर मोड़ा जाएगा। इसके बाद वे सामनेघाट या विश्वसुंदरी पुल होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। यह व्यवस्था सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए की गई है। गोलगड्डा तिराहे से पड़ाव की तरफ जाने वाले वाहनों के लिए भी डायवर्जन लागू रहेगा।

इन वाहनों को बसंता कॉलेज मोड़ से यू-टर्न लेना होगा। इसके बाद वे लकड़ीमंडी फ्लाईओवर, लहरतारा, भिखारीपुर, अमरा अखरी, एनएच-19 और विश्वसुंदरी पुल होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। एक अन्य विकल्प के तहत वाहन लकड़ीमंडी से लाइट सिग्नल चौराहा, चौकाघाट, पुलिस लाइन चौराहा और संदहा होते हुए भी अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं।

छह किलोमीटर की दूरी अब 18 किलोमीटर में होगी तय: मरम्मत कार्य के कारण अगले दो महीने तक वाराणसी से चंदौली की ओर जाने वाले लोगों को लगभग तीन गुना अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। पड़ाव से कैंट की दूरी सामान्यतः करीब छह किलोमीटर है, लेकिन डायवर्जन लागू होने के बाद पड़ाव से रामनगर होते हुए कैंट पहुंचने के लिए 18 से 20 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ सकती है। हालांकि यह व्यवस्था केवल रात 10 बजे से सुबह 6:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

दम घुटने से हुई थी रुद्रांश की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के मुरलीपुर में अपने प्रेम प्रसंग का खुलासा होने और परिवार की सहानुभूति पाने के लिए मां मीनाक्षी ने ही अपने सात माह के मासूम बच्चे रुद्रांश की गला घोंटकर हत्या की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में मौत का कारण गला दबने से दम घुटना आया है।

पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बच्चे के शव को फिर से दफना दिया। पुलिस अब हिरासत में ली गई हत्यारोपी मां को लिखापढ़ी कर कोर्ट में पेश करने की तैयारी में लगी है। वहीं उसके प्रेमी मोहित की भी पुलिस तलाश में जुटी है।

मुंडाली थाना क्षेत्र के गांव मुरलीपुर निवासी अमित तोमर का विवाह मुरादाबाद निवासी मीनाक्षी से वर्ष 2023 में हुआ था। जिसके दो बच्चे थे। अमित एक डॉक्टर के यहां कार चलाने का कार्य करता है। 30 मई को पत्नी मीनाक्षी ने अमित को फोन पर सूचना दी कि उनके छोटे बेटे रुद्रांश की अचानक तबीयत खराब होने से मृत्यु हो गई। जिस पर अमित भी आनन फानन में सहारनपुर से सीधे घर पहुंचा। बाद में गमगीन माहौल में बच्चे के शव को दफना दिया था।

इसी दौरान अमित तोमर को अपनी पत्नी मीनाक्षी का मोबाइल देखा तो पता चला कि उसका तो प्रेम प्रसंग दिल्ली निवासी मोहित नाम के लड़के से चल रहा है। इसी दौरान मीनाक्षी और मोहित के बीच काफी व्हाट्सएप चैट भी थी, जिसमें मोहित द्वारा मीनाक्षी के साथ जीने मरने की कसमें खाई हुई थी।

मीनाक्षी ने कबूल किया जुर्म: साथ ही अमित तोमर को मीनाक्षी के व्यवहार काफी अजीब दिखाई दिया। क्योंकि बेटे की मौत होने के जहां परिवार के सभी लोग गमजदा थे, वहीं मीनाक्षी का व्यवहार सामान्य लग रहा था। जिस पर अमित द्वारा मीनाक्षी के साथ सख्ती से पूछा और रुद्रांश के गड्ढे में दबाए शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही तो मीनाक्षी ने अपना जुर्म कबूल किया।

रुद्रांश का गला घोंटकर की थी हत्या: बताया उसके और पति अमित के बीच जो अनबन चल रही थी उसी गुस्से में आकर उसने रुद्रांश का गला घोंटकर हत्या कर दी। जिस पर अमित ने सोमवार को मुंडाली थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसी दिन मीनाक्षी को हिरासत में लिया।

पीडीए वर्ग के अधिकारों का हनन कर रही भाजपा सरकार : सुरेंद्र ताना

शामली। (शिखर समाचार) शनिवार को शहर के करनाल रोड स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुरेंद्र ताना ने भाजपा सरकार पर पीडीए वर्ग (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के अधिकारों के हनन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासनकाल में 22 भर्ती परीक्षाएं प्रभावित हुईं, जिससे आरक्षित वर्ग की 11,514 सीटों पर असर पड़ा। उन्होंने दावा किया कि इस कथित घोटाले में 59 हजार शिक्षक भर्ती भी शामिल है।

सुरेंद्र ताना ने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा हाल ही में पीडीए पुस्तक का विमोचन किया गया है। इस पुस्तक के माध्यम से उन लोगों तक पार्टी का संदेश पहुंचाया जा रहा है, जिनके अधिकार और रोजगार के अवसर प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को उसके मतदान अधिकार के प्रति जागरूक करना पार्टी की प्राथमिकता है। सरकार जनता के वोट से बनती है और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे।

जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और पीडीए की बढ़ती ताकत से भयभीत है। उन्होंने दावा किया कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी शामली जनपद की तीनों विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

पश्चिम बंगाल के चुनावी परिदृश्य से जुड़े प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। उन्होंने भाजपा पर आरक्षण व्यवस्था और संविधान को कमजोर करने की मंशा रखने का आरोप भी लगाया।

सुरेंद्र ताना ने बताया कि शामली जनपद की तीनों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के चयन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास है। पार्टी की ओर से विभिन्न स्तरों पर सर्वे कराया जा रहा है और शीघ्र ही प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल, शेर सिंह राणा, कलीम हसन, पूर्व चेयरमैन दीपा पंवार, सुरेश प्रधान, जमशेर जंग, राहुल राणा, ब्रजवीर सिंह, बिलाल राणा, सनव्वर राणा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बत्ती गुल, पसीने से तरबतर हुई राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष

मोबाइल टॉर्च की रोशनी में की जनसुनवाई

मेरठ, एजेंसी। विकास भवन सभागार में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर की जनसुनवाई के दौरान बृहस्पतिवार को बिजली गुल हो गई। मोबाइल की टॉर्च में फरियादियों की शिकायतें पढ़ी गईं। सभागार में एसी भी काम नहीं कर रहा था। गर्मी में अध्यक्ष और अन्य अधिकारी पसीना पोछते रहे। जेनरेटर चलाने की बात पर जवाब मिला कि कुल 10 लीटर ही डीजल है। तमाम कोशिशों के बाद भी जेनरेटर नहीं चलाया जा सका।

बृहस्पतिवार को आपके द्वार जनसुनवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कुल 65 पीड़ित महिलाओं की शिकायतें सुनीं। इस दौरान घरेलू हिंसा, दहेज, हत्या और धोखाधड़ी जैसे गंभीर मामले भी सामने आए। लैंगिक हिंसा, अपहरण, छेड़छाड़ और पुलिस संबंधित शिकायतें भी सुनी गईं। विजया रहाटकर ने सभी शिकायतों का एक सप्ताह में निस्तारण करने का अफसरों को निर्देश दिया। जनसुनवाई के बाद विजया रहाटकर ने अधिकारियों संग बैठक की। इसमें सुकन्या समृद्धि और प्रधानमंत्री आवास योजना पर चर्चा हुई। मनरेगा, एनआरएलएम व महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना की भी समीक्षा हुई। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति की भी जानकारी ली गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान, सदस्य मीनाक्षी भराला राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य सचिव सुदीप जैन और उप निदेशक रामावतार सिंह के अलावा डीएम डॉ. वीके सिंह, सीडीओ नूपुर गोयल, एसपी देहात अभिजीत कुमार भी मौजूद थे।

आयोग की सदस्यों की नहीं सुनते अधिकारी: महिला उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निस्तारण पर आयोग की सदस्यों के दिशा-निर्देश अधिकारी नहीं सुनते। बृहस्पतिवार को महिला आयोग की अध्यक्ष के पास जितनी शिकायतें पहुंचीं , उनमें से अधिकांश महिला आयोग की सदस्यों के पास पहले भी आ चुकी थीं।

सीएम योगी को भेजी फर्जी शिकायत ! तीन लोगों पर एफआईआर, दूसरों के नाम से बनाए गए नकली हस्ताक्षर

आगरा , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फर्जी शिकायत भेजने के आरोप में एक ही परिवार के तीन लोगों के खिलाफ थाना लोहामंडी में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि पीड़ित के ही ग्राहकों के नाम और पहचान का शिकायत में इस्तेमाल किया गया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कार्रवाई की।

जयपुर हाउस, लोहामंडी निवासी पं. नवीन शर्मा ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया था। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता नवीन की सोसाइटी में मनीषा विहार, शास्त्रीपुरम निवासी नवीन कुमार विद्यार्थी की बहू अप्रा शर्मा ने एक प्लॉट खरीदा था। प्लॉट की खरीद-बिक्री के बाद से ही वह लोग शिकायत करने लगे। आरोप है कि 26 जनवरी को नवीन शर्मा के खिलाफ मुख्यमंत्री कार्यालय एक शिकायती पत्र भेजा गया था। इसमें शिकायतकर्ता के रूप में ब्रजेश कुमार, रामवीर और दुष्यंत दीक्षित के नाम थे। जबकि इन लोगों ने किसी तरह की शिकायत नहीं की थी। तीनों के फर्जी हस्ताक्षर बनाए। लिखावट भी बदली गई। 25 जनवरी 2026 को भी एक और शिकायती पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय कॉलोनी के सुनील कुमार पाराशर के नाम और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर भेजा गया। सुनील ने लिखित में कोई भी शिकायत न करने का दावा किया। पड़ोसी नवीन कुमार विद्यार्थी ने यह चिट्ठी लिखी है। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास का कहना है कि साक्ष्य संकलन कर कार्रवाई की जाएगी। वादी से सभी दस्तावेज मंगाए जाएंगे। शिकायत के पीछे का कारण पता किया जाएगा।

महंगाई का ऐसा असर..छोटा रूट नहीं, लंबी दूरी की सवारी ढो रहे ऑटो

अलीगढ़ , एजेंसी । डीजल और सीएनजी की बढ़ती कीमतों का असर अब शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर भी दिखने लगा है । ऑटो चालक छोटे रूट की बजाय लंबी दूरी की सवारियां ढोने को प्राथमिकता दे रहे हैं । इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्हें भीषण गर्मी में घंटों ऑटो का इंतजार करना पड़ रहा है ।

मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के तहत क्वार्सी पुल के पास नाला निर्माण कार्य चल रहा है । इसके चलते क्वार्सी चौराहे से पीएसी की ओर जाने वाला मार्ग बांस–बल्ली लगाकर बंद कर दिया गया है । मुख्य मार्ग बंद होने से ऑटो और टेंपो चालकों को लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है । ऐसे में चालक कम दूरी की सवारी बैठाने के बजाय अतरौली जैसे लंबे रूट की सवारियां भरने को मजबूर हैं, ताकि ईंधन और समय की लागत निकल सके ।

गुरुवार को क्वार्सी चौराहे पर पीएसी, ताला नगरी, हरदुआगंज और आसपास के क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों की भीड़ लगी रही । कई यात्रियों को लंबे समय तक ऑटो नहीं मिले । महिला यात्रियों की कुछ ऑटो चालकों से नोकझोंक भी हुई, क्योंकि चालक छोटी दूरी के यात्रियों को बैठाने से इनकार कर रहे थे । हरदुआगंज निवासी जावेद ने बताया कि अधिकांश ऑटो चालक सीधे अतरौली की सवारियां ले जा रहे हैं । छोटे रूट के यात्रियों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है । वहीं विनोद कुमार ने कहा कि तेज धूप में काफी देर तक खड़े रहने के बाद भी ऑटो नहीं मिला ।

केंद्र सरकार के 12 वर्षों में बदली देश की तस्वीर और तकदीर : दिनेश खटीक

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री दिनेश खटीक ने शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश की केवल तस्वीर ही नहीं, बल्कि तकदीर भी बदली है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014, 2019 और 2024 में जनता ने लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताकर यह साबित किया है कि देश अब वादों के बजाय कार्यों पर भरोसा करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आज देश के 22 राज्यों में जनता की सेवा कर रहा है और सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार शपथ लेने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की फाइल पर हस्ताक्षर कर किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। दिनेश खटीक ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत करोड़ों परिवारों को पक्के मकान मिले हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई गई है।

उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत करोड़ों शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों, रेहड़ी पटरी संचालकों तथा कारीगरों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों के खातों में सीधे आर्थिक सहायता भेजी जा रही है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर किसानों को सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराया गया है। वहीं लखपति दीदी योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से महिलाओं और बेटियों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में सड़क, रेल, हवाई और सिंचाई क्षेत्रों में व्यापक विकास हुआ है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से लाखों किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर गांवों की संपर्क व्यवस्था को मजबूत बनाया गया है। प्रेसवार्ता के दौरान विधान परिषद सदस्य वीरेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, पूर्व विधायक तेजेन्द्र निर्वाल, जिलाधिकारी आलोक यादव, पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह, मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल सहित अनेक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

पत्थरों को नहीं मिल रही सांस, इसलिए जर्जर हो रहीं दीवारें; रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

आगरा, एजेंसी । श्रीबांकेबिहारी मंदिर की नींव और संरचना ही कमजोर नहीं हो रही, बल्कि पूर्व में मंदिर की दीवारों पर लगाए गए पेंट के कारण यहां लगे पत्थर सांस नहीं ले पा रहे थे । भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मंदिर की संरचना का सर्वेक्षण कर हाईपावर कमेटी को रिपोर्ट सौंपी थी । वहीं एएसआई की विज्ञान शाखा के वैज्ञानिक मंदिर की दीवारों का केमिकल ट्रीटमेंट कराने में मदद कर रहे हैं । दीवारों पर लगी पॉलीमर की परत को हटवाकर वैज्ञानिक तरीके से ट्रीटमेंट किया जा रहा है, जिससे मंदिर के पत्थरों की आयु बढ़ जाएगी ।

वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर का निर्माण लाल बलुई पत्थर से किया गया है । वर्ष 1864 में लाल पत्थर से बने मंदिर की दीवारों पर पॉलीमर की परत चढ़ा दी गई थी । सर्वेक्षण में एएसआई ने इसे मंदिर की सेहत के लिए खराब बताया । इसके बाद एएसआई की विज्ञान शाखा से सहयोग मांगा गया । आगरा सर्किल के एएसआई विज्ञान शाखा के अधिकारियों की टीम ने हाईपावर कमेटी के निर्देश पर केमिकल ट्रीटमेंट कराने का काम शुरू कराया ।

विशेषज्ञों की सलाह से मंदिर की दीवारों से पॉलीमर की परत हटवाई जा रही है । अन्य हिस्सों की वैज्ञानिक ढंग से सफाई के बाद यहां पत्थर के अनुकूल रिवर्सिबल कोटिंग कराई जा रही है । मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपरी हिस्से के साथ दीवारों का ट्रीटमेंट हो चुका है । कुछ काम बाकी है । ट्रीटमेंट से लाल पत्थर की उम्र बढ़ेगी, जबकि पॉलीमर पेंट से नुकसान पहुंच रहा था ।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मीडिया संवाद, प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने गिनाई उपलब्धियां

नोएडा (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और समर्पण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नोएडा सेक्टर-27 स्थित क्लब हाउस में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है तथा योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया गया है।

कार्यक्रम में सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक तेजपाल नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनोद त्यागी, जिला उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, सत्येंद्र नागर, क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, जिला महामंत्री अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, चंदगीराम यादव, मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया संस्थानों के पत्रकार उपस्थित रहे। बृजेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और उत्तर प्रदेश ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, सामर्थ्य और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में जनता ने लगातार प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास जताया, जो विकास और सुशासन की राजनीति पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मंत्र "सबका साथ, सबका विकास,

सबका विश्वास और सबका प्रयास" अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तकनीक और डिजिटल प्रशासन के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था लागू कर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है और लाखों फर्जी लाभार्थियों को हटाकर सरकारी धन की बचत सुनिश्चित की है। साथ ही देश की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया गया है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों ने नए भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है।

गरीब कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले गए, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। कोरोना काल से लेकर अब तक करोड़ों लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से देश के करोड़ों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है।

किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों के खातों में सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाई गई है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए सस्ता ऋण उपलब्ध कराया गया है तथा कृषि ऋण की सीमा भी बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना चलाई जा रही है, जबकि सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विकास कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सड़क, रेल, बिजली और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार तेजी से हुआ है, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन से यात्रा सुविधाओं में सुधार हुआ है। मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, हवाई अड्डों की संख्या में वृद्धि और ग्रामीण क्षेत्रों तक इंटरनेट पहुंचाने के प्रयासों ने देश के विकास को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की गई है। मिशन इंद्रधनुष के माध्यम से करोड़ों बच्चों का टीकाकरण किया गया है। वहीं सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव को भी नई पहचान दी गई है। कर्तव्य पथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा, पंचतीर्थ, जनजातीय गौरव दिवस, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, नया संसद भवन और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जैसी पहलें नए भारत की पहचान बनी हैं।

डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा खंडित, ग्रामीणों में आक्रोश; एफआईआर दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र के गांव घुंघराला में शुक्रवार देर रात शरारती तत्वों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। ग्रामीणों के अनुसार देर रात कुछ असामाजिक तत्व प्रतिमा स्थल पर पहुंचे और प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। शनिवार सुबह ग्रामीण जब प्रतिमा स्थल पर पहुंचे तो प्रतिमा खंडित देखकर उनमें रोष फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही हाफिजपुर पुलिस गांव पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू कर दी गई है। असामाजिक तत्वों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ग्रामीणों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और नई प्रतिमा स्थापित कराने की मांग की है।

घरेलू विवाद में दामाद से मारपीट, सास ससुर पर मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव फलैदा में घरेलू विवाद के चलते दामाद के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि सास और ससुर ने घर पहुंचकर दामाद के साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। घटना में घायल हुए युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव फलैदा निवासी मोनू शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि घरेलू विवाद के चलते उसकी सास कुसुम शर्मा और ससुर धर्मवीर उसके घर पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो दोनों ने उस पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान मोनू शर्मा के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद परिजनों ने घायल को उपचार के लिए क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने जहांगीरपुर निवासी कुसुम शर्मा और धर्मवीर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नो एंट्री की आड़ में अवैध उगाही का आरोप, मुख्यमंत्री से शिकायत

जेवर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने जेवर क्षेत्र में लागू नो एंट्री व्यवस्था के नाम पर वाहन चालकों से अवैध उगाही किए जाने का आरोप लगाया है। व्यापार मंडल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम शिकायत भेजते हुए मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। व्यापार मंडल के महासचिव कुलदीप पंडित ने बताया कि कस्बे में दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है। इसके कारण स्थानीय व्यापारियों के लिए आवश्यक सामान लेकर आने वाले वाहन भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के माल से लदे वाहनों को विशेष छूट दी जानी चाहिए ताकि कारोबार प्रभावित न हो और समय पर सामान की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी मांग की कि कस्बे से होकर अन्य शहरों की ओर जाने वाले भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक बाईपास मार्ग की व्यवस्था की जाए, जिससे नगर क्षेत्र में यातायात का दबाव कम हो और व्यापारियों को भी राहत मिल सके। कुलदीप पंडित ने आरोप लगाया कि नो एंट्री के दौरान कुछ वाहन चालकों से कथित रूप से धनराशि लेकर वाहनों को गुजरने दिया जा रहा है। उनका कहना है कि यह व्यवस्था नियमों के विपरीत है और इससे वाहन चालकों के साथ-साथ आम जनता में भी असंतोष बढ़ रहा है। व्यापार मंडल ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से भी की है तथा निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो वे इस मुद्दे को लेकर आगे भी आवाज उठाएंगे। वहीं, मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

एक किसान की मांग से 10 महीने तक अटका रहा बिजलीघर, पुलिस-पीएसी की मौजूदगी में शुरू हुआ निर्माण कार्य

दादरी (शिखर समाचार)। लंबे समय से विवादों में घिरे बादलपुर 33/11 केवीए बिजलीघर के निर्माण कार्य को शनिवार को प्रशासन ने पुलिस और पीएसी की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुनः शुरू करा दिया। अधिकारियों के अनुसार एक किसान की मांग को लेकर उत्पन्न विवाद के कारण यह परियोजना करीब 10 महीने से रुकी हुई थी, जबकि इसका टेंडर काफी पहले ही स्वीकृत किया जा चुका था।

थाना प्रभारी अमित भड़ाना के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और पीएसी के जवानों ने कार्यस्थल पर मोर्चा संभाला। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक हित से जुड़े विकास कार्यों को किसी भी स्तर पर बाधित नहीं होने दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बादलपुर बिजलीघर का टेंडर लगभग 10 माह पूर्व आवंटित हो चुका था, लेकिन भूमि संबंधी विवाद और एक किसान की मांग के चलते निर्माण कार्य आगे

नहीं बढ़ पा रहा था। इसके कारण परियोजना निर्धारित समय में पूरी नहीं हो सकी और क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पाया।

बिजलीघर का निर्माण रुके रहने से बिश्नोली बिजलीघर पर क्षमता से अधिक भार पड़ रहा था। इसके चलते क्षेत्र में बार-बार फॉल्ट, ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की समस्याएं सामने आ रही थीं। अधिकारियों का कहना है कि बादलपुर बिजलीघर के शुरू होने के बाद बिश्नोली बिजलीघर पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम होगा और हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी।

गर्मी के मौसम में लगातार बिजली संबंधी समस्याओं से जूझ रहे ग्रामीणों और उपभोक्ताओं ने निर्माण कार्य शुरू होने पर राहत व्यक्त की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में बड़ा सुधार आएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन और प्राधिकरण की कार्रवाई का स्वागत करते हुए शीघ्र निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है।

जनपद के प्रथम नमो पार्क का हुआ शिलान्यास, वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

शामली। (शिखर समाचार) नगर पालिका परिषद द्वारा शनिवार को नगर क्षेत्र में जनपद के प्रथम नमो पार्क का भव्य शिलान्यास एवं वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री दिनेश खटीक ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ पार्क का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। शामली शहर के माजरा रोड पर लगभग तीन एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किए जाने वाले नमो पार्क से शहरवासियों को हरियाली, स्वच्छ वातावरण तथा मनोरंजन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पार्क के निर्माण से क्षेत्र की सुंदरता में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री दिनेश खटीक ने कहा कि नमो पार्क शामली शहर के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। यह पार्क न केवल नगर की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ वायु, हरियाली और प्राकृतिक वातावरण भी प्रदान करेगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, विधान परिषद सदस्य विरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक तेजेन्द्र निर्वाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश गौड़ कश्यप, विनोद मलिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल, सभासद अजय निर्वाल उर्फ बॉबी, धुरंधर निर्वाल, मनोज उपाध्याय, प्रमोद धीमान, डॉ. राजेंद्र संगल, गुलजार, तोहिद रहमानी, संदीप कुमार, देवानंद गौड़ तथा हरिओम पाठक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कांधला थाना प्रभारी पर भाजपा नेता ने लगाए गंभीर आरोप, प्रभारी मंत्री से की जांच और कार्रवाई की मांग

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मंत्री एवं अखिल भारतीय गुर्जर देव सेना के जिला अध्यक्ष हरिमोहन चौहान (मोनू प्रधान) ने कांधला थाना प्रभारी निरीक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री को शिकायत पत्र भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि थाना कांधला क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में अवैध शराब, जुआ, सट्टा और नशे के कारोबार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिसके कारण युवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हरिमोहन चौहान ने आरोप लगाया कि थाना परिसर में दलालों की सक्रियता बनी हुई है तथा आम जनता और भाजपा कार्यकताओं को सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिल रहा। उनका कहना है कि विभिन्न कार्यों से थाने पहुंचने वाले पार्टी कार्यकताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है, जिससे कार्यकताओं में नाराजगी व्याप्त है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि थाना प्रभारी के कार्यकाल में पुलिस व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हुए हैं। साथ ही उन्होंने लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण की भी मांग की है। भाजपा नेता ने प्रभारी मंत्री से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। इस शिकायत के सामने आने के बाद क्षेत्र के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चचाओं का दौर तेज हो गया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई थी।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में उद्योग, व्यापार और सुशासन को मिली नई दिशा : धर्मपाल सिंह

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन सभागार में जिला प्रशासन द्वारा उद्यमी परिचय बैठक एवं मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने की। इस अवसर पर उद्यमियों एवं व्यापारियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा की गई। धर्मपाल सिंह ने कहा कि कृषि और उद्योग सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि लघु, मध्यम और बड़े सभी उद्योग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रदेश में कानून-व्यवस्था में हुए व्यापक सुधारों के कारण उद्यमियों का विश्वास बढ़ा है और उद्योग तथा व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में

उद्योगों का विस्तार हुआ है तथा निवेश को नई गति मिली है। उन्होंने उद्यमियों से अपने संसाधनों का उपयोग उद्योगों के विस्तार में कर देश के विकास में अधिक योगदान देने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उद्यमियों के लिए सड़क, रेल और हवाई संपर्क जैसी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही उद्योगों के लिए आवश्यक सुरक्षा, संपर्क व्यवस्था तथा विद्युत आपूर्ति जैसी मूलभूत सुविधाएं भी सुदृढ़ की गई हैं। उद्योगों की स्थापना और उनके विस्तार को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश और देश की तस्वीर बदली है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जिला प्रशासन का पूरा सहयोग उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र को प्राप्त हो रहा है। उद्यमियों ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। कानून-व्यवस्था में सुधार होने से अराजकता और गुंडाराज पर अंकुश लगा है तथा व्यापारी और उद्यमी निर्भय होकर अपना कार्य कर रहे हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा ममता त्यागी, महापौर सुनीता दयाल, विधायक मोदीनगर डॉ. मंजू सिवाच, विधायक सदर संजीव शर्मा, विधायक मुरादनगर अजीत पाल त्यागी, पूर्व विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह सहित जिला प्रशासन, पुलिस, वस्तु एवं सेवा कर विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, उद्यमी, व्यापारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने एक जनपद एक उत्पाद टूल किट एवं प्रशिक्षण योजना के पांच लाभार्थियों को टूल किट वितरित की। इसके अलावा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत सौंदर्य प्रसाधन व्यवसाय से जुड़े पांच लाभार्थियों को भी टूल किट प्रदान की गई। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के पांच लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम के उपरांत प्रभारी मंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों को केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

एनडीपीएस एक्ट का वांछित अभियुक्त 26 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खतौली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को लगभग 26 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई को मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि जनपद में अपराधियों और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम वांछित अपराधियों की तलाश में जुटी हुई थी। अभियान के दौरान पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के वांछित अभियुक्त गौरव उर्फ गौरा पुत्र ओमप्रकाश निवासी मोहल्ला देवीदास, खतौली को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 25 .980 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। बरामद मादक पदार्थ को पुलिस ने कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की आयु लगभग 40 वर्ष है और वह थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर भी है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ स्थानीय थाने में विभिन्न अपराधों से संबंधित कुल 52 मुकदमे दर्ज हैं। लंबे समय से वांछित चल रहे इस अभियुक्त की गिरफ्तारी को पुलिस ने बड़ी उपलब्धि बताया है। पूछताछ के दौरान पुलिस उसके मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, उपनिरीक्षक रजत सिंह, उपनिरीक्षक राघव बंसल सहित 12 पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध एवं नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खराब गुणवत्ता पर ठेकेदार काली सूची में, पाथवे उखाड़ने के आदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उद्यानिकी कार्यों में लापरवाही और खराब गुणवत्ता मिलने पर सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित ठेकेदार को काली सूची में डालने तथा उसकी धरोहर राशि (ईएमडी) जब्त करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मात्र 10 दिन पहले बनाए गए पाथवे को उखाड़कर दोबारा निर्माण कराने का आदेश दिया गया है। उद्यान विभाग के कार्यों में लापरवाही सामने आने पर वरिष्ठ प्रबंधक से विभाग का कार्यभार भी वापस ले लिया गया है।

शनिवार को सेक्टर-3 के निवासियों की शिकायतों के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) श्रीलक्ष्मी वीएस ने ग्रेनो वेस्ट स्थित सेक्टर-3 के ए ब्लॉक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पार्कों और उद्यानों की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। पार्क में घास अत्यधिक बढ़ी हुई थी। हाल की आंधी और बारिश के बाद पेड़ों की टूटी शाखाएं भी नहीं हटाई गई थीं। बच्चों के झूले टूटे हुए मिले और रखरखाव में गंभीर लापरवाही दिखाई दी।

निरीक्षण के दौरान पार्क में करीब 10 दिन पहले बनाए गए पाथवे की गुणवत्ता की भी जांच की गई। परीक्षण के समय पाथवे का शोल्डर आसानी से टूट गया, जिससे निर्माण कार्य में निम्नस्तरीय सामग्री के उपयोग की आशंका जताई गई। इसके अलावा पेड़ों के आसपास गुड़ाई नहीं की गई थी, पौधों को पर्याप्त पानी और खाद भी नहीं दी गई थी। लंबे समय से पेड़ों की छंटाई न होने के कारण उनकी शाखाएं स्ट्रीट लाइट और पार्क लाइट को ढक रही थीं, जिससे प्रकाश व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी।

इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए एसीईओ ने उद्यान रखरखाव से जुड़े ठेकेदार मैसर्स अतर सिंह को काली सूची में डालने और उसकी ईएमडी जब्त करने के निर्देश दिए।

वहीं पाथवे निर्माण से संबंधित एजेंसी मैसर्स एस.आर. एसोसिएट्स को खराब गुणवत्ता वाले पाथवे को तत्काल उखाड़कर पुनः निर्माण कराने का आदेश दिया गया। उन्होंने उप महाप्रबंधक को पाथवे निर्माण की निगरानी सुनिश्चित करने तथा सहायक निदेशक उद्यान ज्ञानेंद्र यादव की देखरेख में दो दिनों के भीतर आवश्यक कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

उद्यानिक कार्यों में लापरवाही के लिए वरिष्ठ प्रबंधक उद्यान रामकुमार को उनके प्रभार से भी मुक्त कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं को देखते हुए एसीईओ ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सभी ठेकेदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी विकास परियोजना में गुणवत्ता संबंधी कमी पाई गई तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्देश दिए गए कि वे निर्माण और विकास कार्यों की नियमित निगरानी करें। गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसीईओ ने दोहराया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, यह सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों की जिम्मेदारी है। गुणवत्ता में कमी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दहेज हत्या का आरोप: फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, पति समेत ससुराल पक्ष पर मुकदमा

बिजनौर (शिखर समाचार)। नहटौर थाना क्षेत्र के ग्राम काजीपुरा में शनिवार को एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के मायके पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि काजीपुरा निवासी 26 वर्षीय मोनिका का शव घर के अंदर फंदे से लटका हुआ मिला था। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि मोनिका का विवाह करीब चार वर्ष पूर्व अनिल के साथ हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही उनकी पुत्री को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने पति अनिल तथा अन्य ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न के साथ-साथ मोनिका की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

ईरान परमाणु समझौते की नई पहल : पश्चिम एशिया में शांति का अवसर या अविश्वास की अग्निपरीक्षा

पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक कूटनीति के केंद्र में है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित नए परमाणु समझौते को लेकर सामने आ रही सूचनाओं ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा यह दावा किया गया है कि ईरान ने प्रस्तावित समझौते के अंतर्गत कभी भी परमाणु हथियार न बनाने और न ही हासिल करने का वादा किया है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों में किसी भी प्रकार की ढील कठोर अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण, निगरानी और सत्यापन प्रक्रिया पर निर्भर करेगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया लंबे समय से अविश्वास, सैन्य तनाव और परमाणु महत्वाकांक्षाओं की आशंकाओं से जूझ रहा है।

यह घटनाक्रम केवल अमेरिका और ईरान के बीच संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरे क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन पर पड़ सकता है। विशेष रूप से इजरायल और खाड़ी देशों की भूमिका इस प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिकी अधिकारी का यह कहना कि प्रस्तावित समझौते को इजरायल और खाड़ी देशों सहित क्षेत्रीय सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है, अपने आप में एक महत्वपूर्ण संकेत है। वर्षों से इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वहीं सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य खाड़ी देश भी ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों को लेकर सतर्क रहे हैं। ऐसे में यदि ये देश किसी समझौते के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं तो यह पश्चिम एशिया की राजनीति में एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत माना जा सकता है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अमेरिकी अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय सहयोगी अपने आत्मरक्षा के अधिकार से पीछे नहीं हटेंगे और यदि ईरान समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता है तो इजरायल अपनी प्रतिक्रिया देने से नहीं चूकेगा। यही वह बिंदु है जो इस प्रस्तावित समझौते की सबसे बड़ी चुनौती को सामने लाता है। समस्या केवल किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की नहीं है, बल्कि विश्वास कायम करने की है। पिछले दो दशकों में अमेरिका और ईरान के बीच बने-बिगड़े संबंधों ने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ निरंतर पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी आवश्यक है। ईरान की ओर से भी हाल के महीनों में यह संकेत दिए गए हैं कि वह आर्थिक प्रतिबंधों से राहत चाहता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए तैयार है। अमेरिकी अधिकारी का यह दावा कि प्रस्तावित समझौते को ईरान के भीतर भी सहमति प्राप्त है, आशा का एक नया आधार प्रस्तुत करता है। यदि वास्तव में ईरान की राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व व्यवस्था इस दिशा में एकमत है तो यह समझौते की सफलता की संभावना को मजबूत कर सकता है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि ईरान की आंतरिक राजनीति जटिल है और वहां विभिन्न शक्ति केंद्र मौजूद हैं। किसी भी समझौते की वास्तविक सफलता उसके व्यवहारिक क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इस समझौते का महत्व और भी बढ़ जाता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच विश्व समुदाय किसी नए सैन्य संकट का जोखिम नहीं उठाना चाहता। यदि अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे का कोई स्थायी ढांचा तैयार होता है तो इससे न केवल क्षेत्रीय तनाव कम होगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार को भी स्थिरता मिल सकती है। खाड़ी क्षेत्र में शांति का सीधा प्रभाव तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ता है, जिसका असर दुनिया के लगभग हर देश पर दिखाई देता है।

~ मौलिक चिंतन ~

हार को अंत नहीं, बल्कि एक अवसर मानना जीत का आधार बन सकता है।

©
विनय संकोची

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

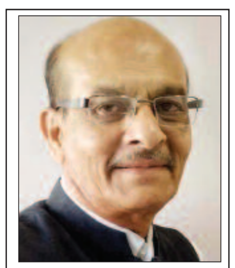

सनत जैन

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलवाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है। कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में चरणबद्ध तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर बेडशीट बिछाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किया जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरुम खुल जाएंगे।

रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और ग्रहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कामों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है।

सबसे बड़ी बात यह है अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग भाषा में काम करने वाले कामगार रोबोट तथा घरेलू कामकाज के लिए रोबोट तैयार करने का सिलसिला भारत में बड़ी तेजी के साथ चल पड़ा है। आने वाले दिनों में अब एआई तकनीकी से तैयार रोबोट बड़ी मात्रा में बिकने के लिए उपलब्ध होंगे, जो कंपनियां रोबोट तैयार कर रहे हैं वह इस बात पर विशेष ध्यान दे रही हैं। जो रोबोट तैयार हों वह विभिन्न भाषा में, विभिन्न संस्कृति के अनुसार, कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए पूरी तरह से काम कर सकें। आने वाले दिनों में झाड़ू-पोछा से लेकर रोटी बनाने, बुजुर्गों को टहलाने, बच्चों को खिलाने, बागवानी करने और अन्य काम अब घर घर में रोबोट करते हुए देखे जा सकेंगे। जिस तरह से एआई तकनीकी के माध्यम से परिवर्तन आ रहे हैं उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि करोड़ों लोग जो मजदूरी और घरों के कामकाज में रोजगार प्राप्त करते थे वह बेरोजगार हो सकते हैं। यह एक बड़ी आशंका भारत सहित दुनिया के सभी देशों को परेशान कर रही है। लेकिन तकनीकी का विकास अपनी जगह है, इसके साथ तालमेल बिठाकर काम करने की जरूरत है। यह सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके कारण सारी सामाजिक व्यवस्था और संस्कृति प्रभावित होने जा रही है। भारत सरकार अभी इस संबंध में कोई कानून लेकर नहीं आई है। किस तरह से सामाजिक, आर्थिक रूप से यह परिवर्तन लोगों को प्रभावित करेगा इसको लेकर भारत से दुनिया के सभी देशों में चिंता देखने को मिल रही है। तकनीकी का विकास पारिवारिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। तकनीकी का अंधाधुंध विकास सामाजिक व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इसका ध्यान रखने की जरूरत है।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं : सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

कांतिलाल मांडोत

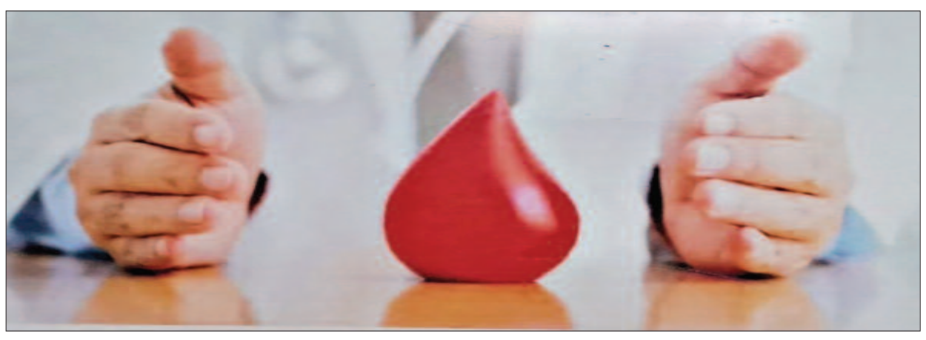

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम ह्लमानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।ह्व इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है।

रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है।

रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है।

आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके।

डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके।

सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

सामाजिक संगठनों धार्मिक संस्थाओं उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि प्रत्येक संस्था वर्ष में कुछ रक्तदान शिविर आयोजित करे और अपने सदस्यों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करे तो देश में रक्त की उपलब्धता कई गुना बढ़ सकती है। रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा।

विश्व रक्तदाता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी ताकत परस्पर सहयोग में निहित है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है तब वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी परिवार को उम्मीद देता है किसी मां को उसका बेटा लौटाता है किसी बच्चे को भविष्य देता है और किसी मरीज को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रक्तदान को उत्सव नहीं बल्कि आदत बनाएं। यदि प्रत्येक सक्षम नागरिक वर्ष में एक या दो बार भी स्वेच्छा से रक्तदान करे तो भारत न केवल अपनी रक्त आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण बन सकता है।

विश्व रक्तदाता दिवस 2026 का संदेश स्पष्ट है। मानवता की रक्षा के लिए किसी बड़े त्याग की आवश्यकता नहीं है। केवल कुछ मिनट का समय और एक यूनिट रक्त किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। आइए संकल्प लें कि हम स्वयं रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। क्योंकि जब रक्त की एक बूंद किसी जीवन को बचाती है तब वह केवल चिकित्सा नहीं बल्कि मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति बन जाती है।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार)

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अब हालात सिर्फ बिगड़ नहीं रहे हैं बल्कि यह इस्लामाबाद के खिलाफ खुले जनविद्रोह का रूप ले चुके हैं। जिन लोगों को पाकिस्तान दशकों से अपने कब्जे का हिस्सा बताकर दुनिया के सामने कश्मीर का झूठा राग अलापता रहा, वही लोग आज सड़कों पर उतरकर उसके दमनकारी चेहरे को बेनकाब कर रहे हैं। आटे पर सब्सिडी, बिजली दरों में कमी, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों जैसी बुनियादी मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पाकिस्तान की औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआक्रोश में बदल चुका है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स और पुलिस ने जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया है, उसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, लाठीचार्ज हुआ, आंसू गैस के गोले दागे गए और इंटरनेट सेवाएं बंद कर पूरे क्षेत्र को अंधेरे में धकेल दिया गया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार अब तक दर्जनों नागरिक मारे जा चुके हैं और हजारों गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। रावलाकोट, मीरपुर, कोटली, भीमबर और पुंछ जैसे क्षेत्रों में हालात विस्फोटक बने हुए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों की जमीनों को डुबोकर मंगला बांध बनाया गया, उन्हीं लोगों को आज आसमान छूते बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देने वाला यह विशाल बांध स्थानीय जनता के लिए अभिशाप बन चुका है। हजारों परिवार उजड़ गए, लेकिन पुनर्वास तक नहीं मिला। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पाकिस्तान करता है, लेकिन उसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिलता। यही कारण है कि यह आंदोलन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अस्तित्व और सम्मान की लड़ाई बन गया है।

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया। इन सीटों के जरिये पाकिस्तान अपनी पसंद की सरकारें थोपता है और कश्मीरी आवाजों को कुचल देता है। यही कारण है कि लोग अब खुलकर कह रहे हैं कि पाकिस्तान उन्हें नागरिक नहीं, गुलाम समझता है।

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि पाकिस्तान ने संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी को प्रतिबंधित कर दिया है। इसके नेताओं के सिर पर इनाम घोषित किए गए हैं। पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा रहा है, मीडिया पर सेंसरशिप थोप दी गई है और इंटरनेट बंद कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन दमन जितना बढ़ रहा है, जनाक्रोश उतना ही उग्र हो रहा है। ब्रिटेन और अमेरिका में बसे कश्मीरी प्रवासियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। यह वही प्रवासी समुदाय है जिसे पाकिस्तान वर्षों तक भारत विरोधी प्रचार के लिए इस्तेमाल करता रहा। मगर अब वही लोग इस्लामाबाद के दमन के खिलाफ दुनिया को सच बता रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने पीओके के लोगों के साथ जो बर्बरता की है उसके खिलाफ गुस्सा इतना ज्यादा है कि लोग नारे लगा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना को कुत्ता कहना कुत्ते की तौहीन है। बाइट।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पाकिस्तान के लिए बेहद खतरनाक स्थिति है। यह संकट उसे सीधे 1971 की याद दिला रहा है, जब दमन और सैन्य बल के सहारे पूर्वी पाकिस्तान को दबाने की कोशिश ने अंततः बांग्लादेश के निर्माण का रास्ता खोला था। आज पीओके में भी वही हालात दिखाई दे रहे हैं। जनता का भरोसा टूट चुका है और पाकिस्तान केवल बंदूक के दम पर कब्जा बनाए रखना चाहता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि भय के सहारे किसी क्षेत्र को लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रखा जा सकता।

उधर, भारत के लिए यह स्थिति सामरिक और कूटनीतिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जमीनी हकीकत यह है कि वैसे तो पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है लेकिन पीओके में पाकिस्तान का कब्जा अवैध है। अब जब वहां की जनता खुद पाकिस्तान के खिलाफ उठ खड़ी हुई है और भारत के साथ मिलने की बातें मुखर होने लगी हैं तो सवाल उठता है कि भारत को क्या पीओके में सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए? इस सवाल पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ बंटे हुए नजर आ रहे हैं। कई विश्लेषकों का कहना है कि सीधे हस्तक्षेप की बजाय भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के मानवाधिकार उल्लंघनों को और आक्रामक तरीके से उठाना चाहिए। उनका कहना है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय देशों और वैश्विक मानवाधिकार संगठनों के सामने यह प्रश्न मजबूती से रखना होगा कि आखिर पाकिस्तान किस नैतिक आधार पर कश्मीर की बात करता है, जब उसके कब्जे वाले क्षेत्र में जनता को जीने तक का अधिकार नहीं है।

कुछ विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि भारत ने पीओके में सीधे हस्तक्षेप किया तो यह सीधे सैन्य दखल के रूप में देखा जायेगा और यह दो परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष का खतरा बढ़ा सकता है। वैसे भी पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और उकसावे की नीति अपनाता रहा है इसलिए वह किसी भी प्रत्यक्ष कार्रवाई को युद्ध का बहाना बना सकता है। इसलिए भारत को अत्यंत संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के पास कई विकल्प हैं। जैसे पीओके की जनता के साथ मानवीय और सामाजिक संपर्क बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को घेरना, सीमा पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाना क्योंकि पाकिस्तान ध्यान भटकाने के लिए आतंकवादी घुसपैठ बढ़ा सकता है। साथ ही पीओके के लोगों के लिए राजनीतिक संदेश देना होगा कि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है और उनके अधिकारों के साथ खड़ा है। विश्लेषकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लिए आरक्षित 24 सीटों को सक्रिय राजनीतिक प्रक्रिया से जोड़ने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

बहरहाल, फिलहाल भारत के लिए सबसे प्रभावी रास्ता यही है कि वह धैर्य, कूटनीति और रणनीतिक दबाव का संयोजन अपनाए। पीओके में जो आग भड़की है, वह केवल आर्थिक संकट का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों के दमन, शोषण और राजनीतिक अपमान का विस्फोट है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अब उसका झूठ उसके अपने कब्जे वाले क्षेत्र में ही टूट रहा है। जिस जमीन को वह कश्मीर की आजादी का प्रतीक बताता था, वहीं की जनता आज उसके खिलाफ आजादी की आवाज बुलंद कर रही है। हालात साफ संकेत दे रहे हैं कि आने वाले समय में पीओके का भारत के साथ स्वाभाविक जुड़ाव और तेज हो सकता है। स्थानीय जनता जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ आरपार की लड़ाई के मूड़ में दिखाई दे रही है, उससे स्पष्ट है कि इस्लामाबाद के लिए अब केवल बंदूक और दमन के सहारे वहां अपनी पकड़ बनाए रखना आसान नहीं रहेगा। स्थानीय जनता के भीतर पाकिस्तान विरोधी भावना लगातार गहरी हो रही है। यदि पाकिस्तान ने अपनी दमनकारी नीतियां नहीं बदलीं, तो वह दिन दूर नहीं जब पीओके की जनता खुद पाकिस्तान के कब्जे को खुली चुनौती देते हुए भारत के साथ खड़े होने का रास्ता चुन सकती है।

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रिंयल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रिंयल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

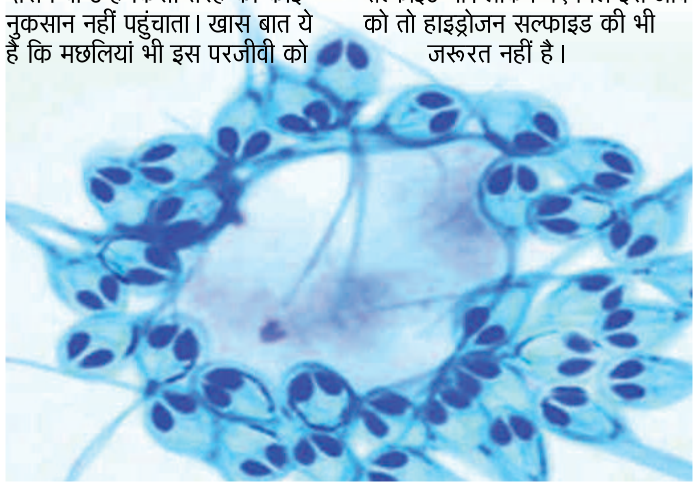

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

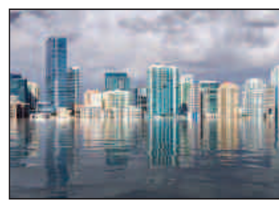

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाऐंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

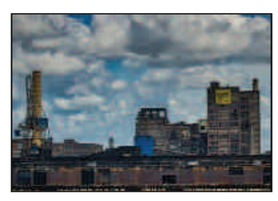

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है।

धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

रुपया में सप्ताहिक तौर पर डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी रही

भू-राजनीतिक तनाव में कमी और तेल कीमतों में नरमी ने दी कुछ राहत

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय रुपये का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। डॉलर के मुकाबले रुपये में सप्ताह भर में 0.18 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें अच्छी मजबूती देखने को मिली, जिससे हुई कुल साप्ताहिक गिरावट में कुछ सुधार आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 0.68 फीसदी की तेजी के साथ 95.11 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गुरुवार के 95.76 प्रति डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार था, जब रुपये में उल्लेखनीय कमजोरी देखी गई थी। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.94 के स्तर तक भी पहुंचा था, जो बाजार के बेहतर माहौल को दर्शाता है। रुपये में आई इस मजबूती की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में युद्ध थमने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, बाजार का बेहतर होता माहौल और अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक सफलता की संभावनाओं से डॉलर का कमजोर होना रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विदेशी मुद्रा विनिमय के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने इस बात पर जोर दिया कि रुपये ने गुरुवार को हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई की है। रुपया फिलीपींस के पेसो, दक्षिण कोरियाई वॉन और इंडोनेशियाई रुपिया के बाद एशिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक रहा। हालांकि, फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में कुल 4.35 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, जो लंबी अवधि की चुनौतियों को दर्शाता है।

बॉन्ड बाजार में लौटी रौनक कंपनियों व संस्थानों ने जुटाए 27,000 करोड़

अगले हफ्ते भी जारी रहेगा बॉन्ड जारी करने का सिलसिला

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते भारतीय कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई, जहां कंपनियों और संस्थानों ने करीब 27,000 करोड़ रुपये जुटाए। बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण उधार लेने की लागत कम होने से कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बॉन्ड जारी करना शुरू कर दिया है।

यह तेजी प्रारंभिक वित्त वर्ष में देखी गई सुस्ती के बाद आई है, जब ऊंची यील्ड ने उधारकर्ताओं को बैंक ऋण का सहारा लेने पर मजबूर किया था। इस सप्ताह अच्छी रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड पर यील्ड लगभग 50 से 70 आधार अंक तक कम हुई, जबकि 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में करीब 9 आधार अंक की गिरावट दर्ज की गई।

यील्ड में इस अनुकूल कमी ने कंपनियों के लिए बॉन्ड बाजार से पूंजी जुटाना अधिक आकर्षक बना दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया नीतिगत समर्थन और पूंजी जुटाने के लिए उठाए गए कदमों, जैसे विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (बी) जमा और बाह्य वाणिज्यिक उधारी को बढ़ावा देने से भी पूंजी जुटाने की स्थिति में सुधार हुआ है और रुपये को स्थिर करने में मदद मिली है। बाजार में यह उत्साह अगले हफ्ते भी जारी रहने की उम्मीद है। हाउसिंग ऐंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हडको), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान अगले हफ्ते बॉन्ड से कुल 13,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों (अप्रैल और मई) में प्राथमिक बाजारों में काफी कम गतिविधियां देखी गई थीं, जब भारतीय कंपनियों ने घरेलू बॉन्ड बाजार से केवल 1.07 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई थी।

यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले लगभग 58 फीसदी कम थी और वित्त वर्ष 2023 के बाद से किसी भी वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों में जुटाई गई सबसे कम रकम थी। इस सप्ताह नेशनल बैंक फॉर फाइनैंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐंड डेवलपमेंट (नैबफिड) ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाए।

पीएनबी, उज्जीवन ने बढ़ाईं एफसीएनआर जमा दरें

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस कदम का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को विदेशी मुद्रा में अपनी आय बढ़ाने का अवसर देना तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना है। बैंक के अनुसार विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना के तहत तीन से चार वर्ष की अवधि के लिए छह प्रतिशत, जबकि चार से पांच वर्ष की अवधि के लिए 6.05 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। पांच वर्ष की सावधि जमा पर पीएनबी 6.1 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी एफसीएनआर (बी) जमा दरों में वृद्धि की है। बैंक ने तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए अधिकतम 7.13 प्रतिशत तक ब्याज दर की घोषणा की है।

मोगावीरा सहकारी बैंक पर आरबीआई का शिकंजा, निकासी सीमा तय

छह महीने के लिए लागू हुआ प्रतिबंध, खाताधारक केवल 1 लाख रुपये तक ही निकाल सकेंगे

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के मोगावीरा सहकारी बैंक की गंभीर होती वित्तीय स्थिति पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन निर्देशों के तहत अब कोई भी खाताधारक अपने विभिन्न खातों से अधिकतम 1 लाख रुपये तक ही निकाल पाएगा।

यह कदम ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई का यह आदेश शुक्रवार को बैंकिंग कार्य समाप्त होने के बाद से लागू हो गया है और अगले छह महीने तक प्रभावी रहेगा, जिसकी केंद्रीय बैंक समय-समय पर समीक्षा करेगा। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। आरबीआई लगातार मोगावीरा बैंक के बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन के संपर्क में था ताकि कमियों को दूर कर खाताधारकों के पैसों की रक्षा की जा सके, लेकिन बैंक ने कोई ठोस प्रयास नहीं किए। जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अंततः आरबीआई को यह सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। इस अवधि में बैंक नए ऋण जारी नहीं कर सकेगा और न ही कोई नया निवेश कर पाएगा।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव से प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71 अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया और निफ्टी 53.35 अंक कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ। भारतीय रुपये में भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की और गिरावट दर्ज की गई, जो 95.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रहा। जबरदस्त खरीदारी के माहौल में बाजार खुलते ही चौतरफा तेजी देखी गई। जोखिम लेने के बढ़ते रुझान के चलते दिनभर सूचकांकों ने जोरदार छलांग लगाई। कारोबारी सत्र के अंत में बीएसई सेंसेक्स 1,695.40 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 75,527.95 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

रिलायंस अनिल अंबानी समूह के दो पूर्व अधिकारियों को ईडी ने किया गिरफ्तार

पीएमएलए के तहत हुई गिरफ्तारी, बैंक लोन धोखाधड़ी की जांच जारी

मुंबई ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह पर अपना शिकंजा कसते हुए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दो पूर्व अधिकारियों सतीश सेठ और गौतम दोषी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कथित बैंक लोन फ्रॉड से संबंधित सीबीआई की जांच के बाद हुई है। इसी के साथ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिससे समूह की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सेठ और दोषी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। उन पर भारतीय स्टेट बैंक को 114.98 करोड़ रुपए के कथित लोन फ्रॉड का आरोप है, जिसके संबंध में सीबीआई ने पहले मामला दर्ज किया था। ईडी ने सीबीआई की इसी शिकायत का संज्ञान लिया है। उन्हें आगे की कस्टडी के लिए दिल्ली की अदालत में पेश किया जाएगा। एसबीआई उन 11 बैंकों के कंसोर्टियम का हिस्सा था, जिन्होंने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपए की टर्म लोन सुविधा मंजूर की थी। दूसरी ओर एनसीएलटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इन्फ्राटेल लिमिटेड को दिए गए ऋणों के लिए व्यक्तिगत गारंटर के रूप में अनिल अंबानी की भूमिका को लेकर एसबीआई की याचिका मंजूर कर ली है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने इस फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि जून में सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर अमिताभ झुनझुनवाला को भी इसी तरह के एक बड़े लोन फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया था।

मई में बढ़ी खुदरा महंगाई, 3.93 फीसदी पर पहुंचा आंकड़ा

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल बनी मुख्य वजह, अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा जारी मई के आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति (रिटेल इनफ्लेशन) बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। यह इस साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है, जिसमें अप्रैल के मुकाबले 0.45 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आया उछाल है, जिससे आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। मई में उपभोक्ता खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 4.2 फीसदी थी। ग्रामीण इलाकों में यह दर 4.85 फीसदी और शहरी इलाकों में 4.66 फीसदी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, टमाटर, अदरक और अन्य सब्जियों जैसी जल्द खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों में तेजी से यह दबाव बना है। हालांकि, कोर इनफ्लेशन लगभग 3.7 फीसदी पर स्थिर रहा, जो दर्शाता है कि मुद्रास्फीति में वृद्धि में खाद्य वस्तुओं का ही प्रमुख योगदान है। बाजार के जानकारों ने कहा कि 4 फीसदी से नीचे का खुदरा और कोर इनफ्लेशन अल्पकालिक राहत का संकेत देता है, लेकिन मानसून के असर पर नजर रहेगी। उन्होंने अक्टूबर में ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की संभावना जताई है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अल-नीनो के संभावित प्रभाव (कमजोर मानसून) से भविष्य में महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है, जिससे पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है।

अमेरिकी आदेश के बाद एन्थ्रोपिक ने बंद किए अपने सबसे एडवांस एआई मॉडल

राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर अमेरिकी सरकार का निर्देश; जेलब्रेक की आशंका पर कंपनी असहमत

नई दिल्ली ।

अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एन्थ्रोपिक ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार के आदेश के बाद अपने सबसे उन्नत एआई मॉडल फें विल 5 और मायथॉस 5 को सभी विदेशी उपयोगकर्ताओं के लिए बंद कर दिया है। एन्थ्रोपिक को मिले निर्देश में फें विल 5 के सुरक्षा उपायों को बायपास या जेलब्रेक करने की आशंका जताई गई है, जिससे सॉफ्टवेयर कमजोरियों का पता लग सकता है। हालांकि, कंपनी ने केवल एक संभावित सीमित जेलब्रेक के मौखिक सबूत मिलने की बात कही। एन्थ्रोपिक ने करोड़ों लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कमर्शियल मॉडल को ऐसे सीमित कारण से वापस लेने को अनुचित बताया है, जिससे एआई डेवलपर्स और नियामकों के बीच तनाव बढ़ा है। यह कार्रवाई कंपनी के ट्रंप प्रशासन से पुराने विवाद और अमेरिकी सेना को अपने एआई मॉडल घरेलू निगरानी या स्वचालित हथियारों के लिए देने से इनकार के बाद हुई है, जिसके जवाब में सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट किया था। यह घटना विदेशी एआई क्षमताओं को रोकने के अमेरिकी प्रयासों में एक बड़ा बदलाव भी दर्शाती है।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

महानगरों में स्थिर रहीं कीमतें, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ

गया है। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। इन दामों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य शुल्कों को जोड़ने के बाद इनका अंतिम मूल्य मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाता है।

सोयाबीन खल की कमी ने बढ़ाई लागत, सीएलएफएमए ने जताई चिंता

सीएलएफएमए ने कहा, लागत बढ़ने से पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र पर दबाव

मुंबई ।

पशु आहार उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है। कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएलएफएमए) ने सोयाबीन तेल-रहित खल (डीओसी), जो पशु आहार में प्रोटीन का मुख्य स्रोत है, की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त की, जिससे चारे की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण पोल्ट्री, जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) तथा पशुपालन क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ा है। सीएलएफएमए के अनुसार हाल के हफ्तों में सोयाबीन डीओसी की कीमतें 40 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 65-66 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इस वृद्धि ने चारे के उत्पादन की लागत में इजाफा किया है, जिससे 'एनिमल प्रोटीन' मूल्य श्रृंखला से जुड़े किसानों पर सीधा असर पड़ रहा है। संघ की एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, भारत के पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सोयाबीन डीओसी की निरंतर कमी और चारे की बढ़ती लागत से खेती की उत्पादकता और मुनाफे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चारे की सामग्री की उपलब्धता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताया। उन्होंने सभी अंशधारकों से किसानों के हितों की रक्षा और देश के चारा एवं पशु कृषि परिवेश को मजबूत करने के लिए एक संतुलित व टिकाऊ समाधान हेतु मिलकर काम करने की अपील की है।

स्पेसएक्स की बंपर लिस्टिंग, एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनियर

शेयरों में 23 फीसदी की उछाल, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2.18 लाख करोड़ डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन ।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए अपने सीईओ एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनियर बना दिया। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 23 प्रतिशत उछल गए, जिससे मस्क की संपत्ति 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गई। स्पेसएक्स के शेयर 150 डॉलर के भाव पर खुले, जो निर्गम मूल्य से 11 प्रतिशत अधिक था, और शीघ्र ही 166.90 डॉलर तक पहुंचे। इस जोरदार शुरुआत ने कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.18 लाख करोड़ डॉलर आंका, जिससे फोर्ब्स के अनुमान के अनुसार एलन मस्क की कुल संपत्ति 1.1 लाख करोड़ हो गई है, और वे इतिहास के पहले ट्रिलियनियर बन गए हैं। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 55.56 करोड़ शेयर बेचकर रिकॉर्ड 75 अरब जुटाए, जो 2019 के सऊदी अरामको के 26 अरब डॉलर के आईपीओ के रिकॉर्ड को भी तोड़ गया। मस्क ने इन निधियों को उपग्रहों, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर स्थापित करने और मंगल पर मानव बस्ती बसाने जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आम लोगों को चंद्रमा और मंगल तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं का भी जिक्र किया। हालांकि, कंपनी को जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच 8.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, और मॉर्निंगस्टार जैसे विश्लेषकों ने इसके आईपीओ मूल्यांकन को अत्यधिक बताते हुए चिंता व्यक्त की है, जो उसके अनुमानित मूल्य का लगभग आधा है। स्पेसएक्स इस वर्ष बाजार में सूचीबद्ध होने वाली तीन बड़ी कंपनियों में से पहली है।

भारत, स्विट्जरलैंड ने दवा क्षेत्र में निवेश अवसरों पर चर्चा की

बर्न ।

भारत और स्विट्जरलैंड ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में स्विस दवा कंपनियों के लिए नए निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने स्विट्जरलैंड दौरे के दौरान इस विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। गोयल ने बर्न में स्विट्जरलैंड के आर्थिक मामलों की सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिएडा और प्रमुख दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की सह-अध्यक्षता की।

उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि चर्चा का केंद्र नवाचार को मजबूत करने के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में नए निवेश अवसरों पर था। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को रेखांकित किया गया।

आर्थिक जुड़ाव, निवेश प्रवाह और बहुप्रतीक्षित भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को और

मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

कहा- महानतम बल्लेबाज ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार (12 जून) को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया।

विलियमसन इस समय इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं जिसमें न्यूजीलैंड पहला मैच 115 रन से हार गई थी. विलियमसन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे और दूसरी में 18 रन पर आउट हो गए थे. ये मैच उनके करियर का आखिरी मैच बन गया। अपने 16 साल के शानदार करियर में विलियमसन ने देश के लिये कुल 378 मैच खेले. जिसमें 110 टेस्ट, 175 वनडे और 93 टी20 मैच शामिल हैं. विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यही सही समय है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिये हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।'

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा , 'हमारे महानतम खिलाड़ियों में से एक विदा हो रहा है. केन विलियमसन ने त्वरित प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है।'

मजदूर का बेटा बना 'गोल्डन बॉय'

बेटे की कामयाबी देख फफक-फफक कर रोए माता-पिता

करनाल (एजेंसी)। हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रख, हार जा चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रख. इन पंक्तियों को पूरी तरह सच कर दिखाया है करनाल के सुमित ने. सुमित सीकरी गांव के निवासी हैं. गुजरात के अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून 2026 तक 'फर्स्ट वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में सुमित ने अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर ना केवल देश का परचम लहराया, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत और हरियाणा का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया।

विश्व मंच पर सुमित का स्वर्णिम प्रदर्शन?- देशभर से आए श्रेष्ठ योगासन खिलाड़ियों के बीच हुए इस कड़े और उच्च स्तरीय मुकाबले में सुमित ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो अलग-अलग इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. सुमित ने इस विश्व चैंपियनशिप के सीनियर मेल कैटेगरी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो स्पर्धाओं में देश की झोली में स्वर्ण पदक डाले हैं।

लेग बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट (सीनियर मेल कैटेगरी)- अपनी एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का लोहा मनवाते हुए सुमित ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र शहडोल के 'मिनी ब्राजील' में फीफा का उत्साह

● खिलाड़ी चाहते हैं ब्राजील बने विश्व विजेता ● भारत को फीफा तक पहुंचाने का संकल्प लिया

भोपाल/शहडोल (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो गई है, जिसे लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ पर करोड़ों निगाहें टिकी हैं। इस वैश्विक रोमांच के बीच मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का 'मिनी ब्राजील' गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही विचारपुर के मैदानों में रौनक बढ़ गई है। गांव के बच्चे और युवा खिलाड़ी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील का समर्थन करते हैं और उन्हें ही फीफा का विश्व विजेता देखना चाहते हैं। वहीं टीम इंडिया का फीफा तक नहीं पहुंच पाना भी उनके लिए निराशा का विषय है। मिनी ब्राजील के मैदान में फुटबॉल खेल रहे बच्चों का कहना है कि हम आने वाले समय में टीम इंडिया को फीफा तक पहुंचाएंगे। मैदान में खेल रहे कुछ युवा अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी के प्रशंसक भी हैं। लेकिन इस उत्साह के बीच एक सवाल भी बार-बार उठता है जब दुनिया फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उतर रही है, तब भारत अब तक वहां क्यों नहीं पहुंच पाया?

क्यों कहा जाता है विचारपुर को मिनी ब्राजील? – शहडोल मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। गांव के अधिकांश घरों में कोई न कोई खिलाड़ी फुटबॉल से जुड़ा हुआ है। यहां बच्चे चलना सीखने के साथ फुटबॉल को भी अपनाने लगते हैं।

वर्षों पहले गांव के युवाओं ने फुटबॉल को अपनी पहचान बनाया। धीरे-धीरे यहां से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। महिला खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। गांव में फुटबॉल के प्रति इसी जुनून ने इसे मिनी ब्राजील की पहचान दिलाई।

पीएम मोदी ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान – विचारपुर को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में गांव का उल्लेख किया था। पीएम ने गांव की फुटबॉल संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों की सराहना की थी। इसके बाद विचारपुर अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया।प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद कई प्रशासनिक और खेल विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। गांव की पहचान एक फुटबॉल हब के रूप में बनी और यहां के खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर बढ़े। देशभर के मीडिया संस्थानों ने भी गांव की कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंडे बोलीं- फीफा से सीखने का अवसर

जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे कहती हैं कि फीफा विश्व कप उनके जैसे खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है ।सानिया कहती हैं, हम लोग सभी मैच देखेंगे । जो खिलाड़ी हमारी पोजीशन पर खेलते हैं, उन्हें देखकर नई तकनीक सीखने को मिलती है । ऐसे कई शॉट्स और मूवमेंट देखने को मिलते हैं जिन्हें सीखने के लिए बहुत उच्च स्तरीय अभ्यास की जरूरत होती है । हम सब ब्राजील को सपोर्ट करेंगे । हमारी कोशिश है कि एक दिन भारत भी फीफा वर्ल्ड कप में खेले ।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में

आज चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

बर्मिंघम (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को शुरुआत में ही बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर ग्रुप-1 के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

एजबेस्टन में दिखेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला – भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा से रोमांच और दबाव से भरे रहे हैं। इन मैचों में आंकड़े और हालिया फॉर्म अक्सर पीछे छूट जाते हैं और खिलाड़ी मानसिक मजबूती की परीक्षा से गुजरते हैं। बर्मिंघम में बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोग रहते हैं, जिसके चलते एजबेस्टन में एक बार फिर शानदार माहौल देखने को मिलने की उम्मीद है। स्टेडियम में दोनों टीमों के समर्थकों की भारी मौजूदगी मुकाबले को और खास बना सकती है।

पहली ट्रॉफी की तलाश में भारत – हर्मनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार पहली बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम के पास अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भारत की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं।

युवा जोश के साथ उतरेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान की कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। उनकी टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए बेताब हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंटों में अक्सर उलटफेर देखने को मिलते हैं। ऐसे में पाकिस्तान भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा।

भारत को माना जा रहा है प्रबल दावेदार

कागजों पर भारतीय टीम अधिक संतुलित और मजबूत नजर आती है । बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं । हालांकि पाकिस्तान को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी गलती साबित हो सकता है । फातिमा सना की टीम उलटफेर करने और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने के इरादे से उतरेगी ।

शाम 7 बजे से मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का मुकाबला 14 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7-00 बजे शुरू होगा । मैच का आयोजन एजबेस्टन, बर्मिंघम में किया जाएगा । इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी ।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

● मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी – एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4 के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

फीफा वर्ल्ड कप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर, कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है।

स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में – कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और

संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच – वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू – थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

मेजबान अमेरिका की धमाकेदार शुरुआत, पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से मात दी। कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में फ्लोरिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक ने अमेरिकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बालोगुन और पुलिसिक ने बिखेरा जलवा – अमेरिका की ओर से फ्लोरिन बालोगुन ने दो गोल दागे, जबकि स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने पूरे मैच में पैराग्वे की रक्षापंक्ति को परेशान रखा। पुलिसिक ने कई आक्रामक मूव तैयार किए और टीम के आक्रमण की धुरी बने रहे।

सातवें मिनट में मिली बढ़त – मेजबान टीम ने मैच के सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। पुलिसिक ने शानदार पास देकर वेस्टन मैकेनी को मौका बनाया,

जिसके बाद पैराग्वे के खिलाड़ी डेमियन बोबाडिला से आत्मघाती गोल हो गया। इसके बाद 31वें मिनट में पुलिसिक के सटीक क्रॉस पर बालोगुन ने गोल दागकर अमेरिका की बढ़त 2-0 कर दी।

स्टॉपेज टाइम में बालोगुन ने किया कमाल – दूसरे हाफ में भी अमेरिका का दबदबा जारी रहा। मैच के 90+8वें मिनट में बालोगुन ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दाग दिया। इस गोल ने अमेरिका की जीत पर मुहर लगा दी।

पैराग्वे की वापसी की कोशिश नाकाम – पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मगाल्हाएस के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 किया, लेकिन टीम इसके बाद कोई बड़ा दबाव नहीं बना सकी। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विपक्षी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया। इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में के लिए भारतीय टीम का ऐलान, पीवी सिंधु करेंगी अगुवाई

अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत

की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की।

क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के लिए दूसरी जगह हासिल की। कई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रिजर्व लिस्ट में भी शामिल हैं, जिनमें पुरुष एकल में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, और महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। चीन के पुरुष एकल चैंपियन शी यू की, दक्षिण कोरिया के पुरुष युगल विजेता किम वॉन हो और सियो सेउंग जे, और चीन की महिला युगल चैंपियन लियू शेंग शू और टैन निंग - ये सभी अपने-अपने इवेंट्स में टॉप-रैंक वाले खिलाड़ियों के तौर पर क्वालिफाई हुए। जापान की अकाने यामागुची, जो मौजूदा विमेंस सिंगल्स चैंपियन हैं, तीसरे नंबर पर क्वालिफाई हुईं, जबकि मलेशिया के मौजूदा मिश्रित युगल चैंपियन चेन तांग जी और तोह ई वेई चौथे नंबर पर क्वालिफाई हुए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3917

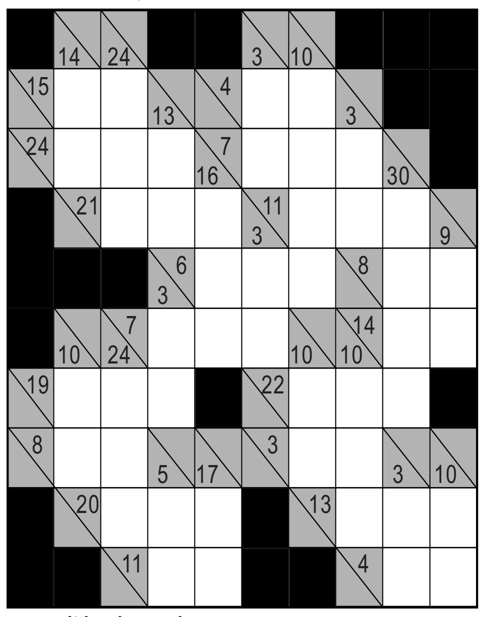

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

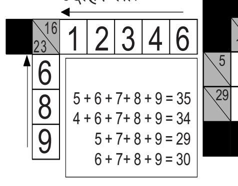

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3916 का हल

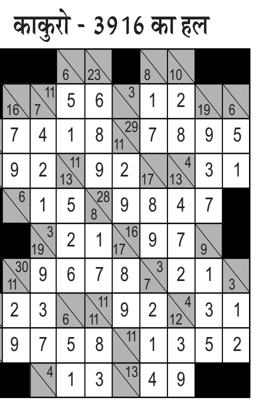

हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले, 'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 3917

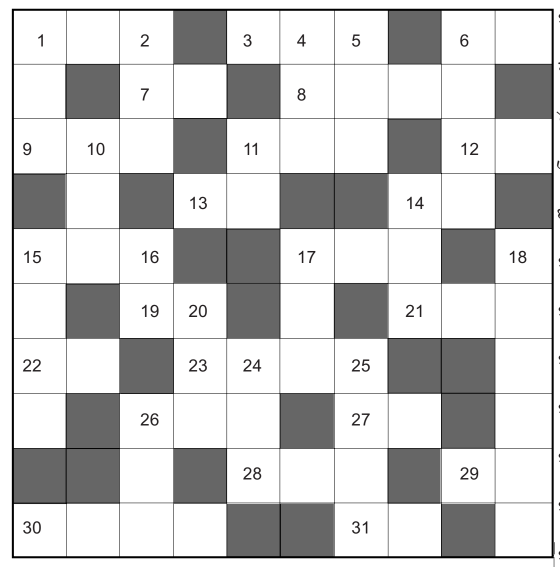

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3916

सूडोकु -3917

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3916 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3917

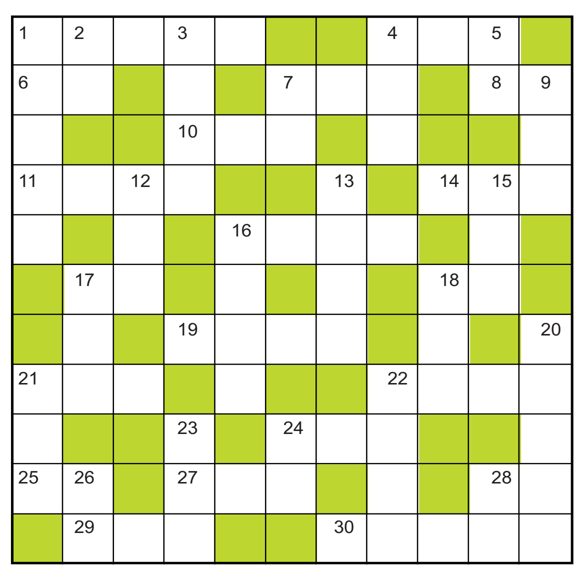

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -3916 का हल

एंडोक्राइन बीमारी से पीड़ित लोगों का इस तरह रखें विशेष ध्यान

कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। यह उन लोगों के लिए ज्यादा तनाव और जोखिम का कारण बन गयी है, जो कि पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित हैं। इन लोगों में ऐसे रोगी भी आते हैं, जो कि एंडोक्राइन रोग से जूझ रहे हैं। यहां यह जानना जरूरी है कि एंडोक्राइन बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अगर कोविड-19 की चपेट में आता है तो कितना जोखिम होता है। एम्स के डॉ. उमर अफरोज का कहना है कि शरीर की एंडोक्राइन प्रणाली उन कोशिकाओं से बनी होती है, जो हार्मोन्स पैदा करती है। हार्मोन वे रसायनिक पदार्थ हैं जो खून के जरिए शरीर के आंतरिक अंगों और कोशिकाओं तक पहुंचते हैं। इन आंतरिक अंगों और कोशिकाओं पर हार्मोन्स का विशेष प्रभाव होता है। अपने हार्मोन के स्तर बहुत अधिक या बहुत कम कर रहे हैं, तो हार्मोन डिसऑर्डर हो सकता है।

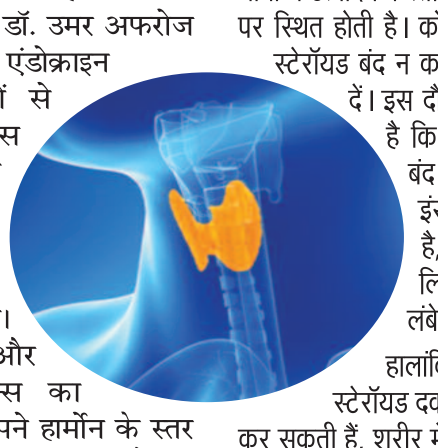

यदि मधुमेह है : एंडोक्राइन की सबसे आम रोग मधुमेह के शिकार हैं और इस वायरस की चपेट में आ गए हैं तो गंभीर जटिलताएं पैदा होने का ज्यादा जोखिम है। वायरस के प्रतिकूल प्रभाव टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज में कोई भेदभाव नहीं करता है। इसके अतिरिक्त यदि अनियंत्रित डाटबिटीज या हृदय रोग भी है तो स्थिति और भी गंभीर है। चीन में देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति जो कोविड-19 से संक्रमित थे और जिन्हें मधुमेह था, उनकी सामान्य आबादी की तुलना में गंभीर जटिलताएं और मृत्यु की उच्च दर थी।

द चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, वायरस से संक्रमित मधुमेह वाले रोगियों में 7.3 प्रतिशत की घातक स्थिति दर्ज की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, पूरी दुनिया में करीब 400 मिलियन से ज्यादा लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। संगठन द्वारा जारी गाइडलाइंस में ऐसे लोगों को भीड़ में जाने से बचने को कहा है, क्योंकि ऐसे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और आसानी से संक्रमित हो सकते हैं। डॉक्टरों द्वारा यह सुझाया गया है कि डायबिटीज के मरीजों को समय-समय पर अपना ब्लड शुगर लेवल चेक करते रहना चाहिए।

एड्रिनल इंसफिशिएंसी : डॉ. आयुष शर्मा का कहना है कि जब शरीर में एड्रिनल ग्रंथियों द्वारा बनाए जाने वाले कुछ विशेष हार्मोन का अपर्याप्त मात्रा में उत्पादन होता है तो यह विकार होता है। इस रोग में एड्रिनल ग्रंथि बहुत कम मात्रा में कोर्टिसोल बना पाती है। अक्सर एड्रिनल ग्रंथि एल्डोस्टेरोन को अपर्याप्त मात्रा में उत्पादन करती है। एड्रिनल ग्रंथि गुर्दे की चोटी पर स्थित होती है। कोरोना वायरस के समय अपने स्टेरॉयड बंद न करें, जब तक डॉक्टर सलाह न दें। इस दौरान सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने स्टेरॉयड को अचानक बंद न करें। यह न केवल एड्रिनल इंसफिशिएंसी वाले लोगों के लिए है, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो गंभीर स्थितियों के लिए लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं।

हालांकि, कुछ यह मान सकते हैं कि स्टेरॉयड दवाएं इम्यून सिस्टम से समझौता कर सकती हैं, शरीर में स्टेरॉयड की सही मात्रा होना सामान्य शारीरिक कार्यों के लिए जरूरी है और संक्रमण से निपटने के दौरान जीवन रक्षक साबित हो सकती हैं।

थायराइड के शिकार : आज तक थायरॉइड रोग के रोगियों के वायरस के चपेट में आने के परिणामों की जांच करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया गया है। हालांकि, हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म जैसे थायराइड रोगों वाले रोगियों को डॉक्टर के साथ पहले परामर्श के बिना अपनी दवाएं लेना बंद नहीं करना चाहिए। ब्रिटिश थायराइड एसोसिएशन के पास ऐसे कई लोगों के सवाल आए जो कि थायराइड से ग्रसित हैं। एसोसिएशन ने बताया कि चूंकि कोविड-19 नया वायरस है तो यह जानकारी नहीं है कि थायराइड रोग के साथ व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है। हालांकि, थायराइड रोग को सामान्य रूप से वायरल संक्रमण के बढ़ते जोखिम से जुड़ा नहीं जाना जाता है, न ही थायराइड रोग और वायरल संक्रमण की गंभीरता के बीच संबंध है। यह भी बताया कि इम्यून सिस्टम का हिस्सा जो ऑटोइम्यून थायरॉयड स्थितियों के लिए जिम्मेदार है, वह कोविड-19 जैसे वायरल संक्रमण से लड़ने के लिए जिम्मेदार इम्यून सिस्टम के लिए अलग है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है

मुंबई टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।
नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।
अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।
अभिनेत्री ने कहा, मुझे सेट पर बिताया गया हर पल पसंद है। कैमरे के सामने खड़े होकर एक्टिंग करना, लाइन्स याद करना और सही इमोशन्स के साथ दर्शकों तक पहुंचाना मुझे खुशी देता है। एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुनून है जिसे मैं पूरे दिल से जीती हूं। हर दिन का काम मुझे यह याद दिलाता है कि मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला क्यों किया था।
नेहा ने फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिल्मों और वेब सीरीज में कलाकारों को किरदार समझने, भाषा पर काम करने और रिसर्च करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कई बार वर्कशॉप भी आयोजित की जाती हैं, जिससे कलाकार अपने किरदार में और बेहतर ढंग से ढल सकें। लेकिन डेली सोप की दुनिया बिल्कुल अलग होती है।

कंगना ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' में क्यों निभाई नर्स की भूमिका

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।' कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।
कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।'
फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहती

इंटरव्यू में शिल्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अब वो अपने काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब वही करना चाहिए जो दिल से सही लगे और स्क्रीन पर दिखने का कोई मजबूत कारण हो।

थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है। वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है।
शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' होस्ट करती दिखेंगी।

अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़ाचारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है।
बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार।
अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं। मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं। मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर है एकता कपूर का राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए।

एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।
इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।
एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।
एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।
एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही।
उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन में ऑफिस सील, फ्लोर खाली और इमरजेंसी अलर्ट

पेंटागन , एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। इमारत के कई हिस्सों को खाली कराया गया और कुछ मंजिलों को सील कर दिया गया। सीएनएन और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पेंटागन की आंतरिक निगरानी प्रणालियों ने समस्या का पता लगाया, जिसके तुरंत बाद एहतियाती कार्रवाई शुरू की गई। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए और खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली विशेष टीमें मौके पर पहुंच गईं। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि इमारत की निगरानी प्रणालियों ने ऐसी समस्या का संकेत दिया जिसके लिए तत्काल एहतियात बरतना जरूरी था। हम प्रभावित क्षेत्रों में 'शेल्टर इन प्लेस' समेत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं। भवन में मौजूद लोगों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा टीम के जारी संदेश में कर्मचारियों को बताया गया कि वायु गुणवत्ता संबंधी समस्या का पता चला है और अतिरिक्त जांच चल रही है, जिसमें एक से दो घंटे का समय लग सकता है। संदेश में कहा गया है कि रेस्क्यू टीम मौके पर है। आपको केंद्रीय प्रांगण में कई एजेंसियों के वचावकर्मी दिखाई दे सकते हैं। कृपया इसे सामान्य सुरक्षा अभ्यास मानें। यह घटना उस समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर 'आज रात' बड़ा हमला करने जा रहा है, ताकि निकट भविष्य में ईरान के तेल और गैस उद्योगों, खासकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर पूर्ण नियंत्रण हासिल किया जा सके। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हमलों का वार–पलटवार जारी है। इस सप्ताह तीसरी बार मिडिल ईस्ट में जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। पहले ईरान–इजराइल संघर्ष हुआ, उसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच गोलीबारी के दो दौर चले, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले देशों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बड़ा घोटाला, 954 करोड़ का महाघोटालेबाज माखीजानी गिरफ्तार

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बड़ा बैंकिंग घोटाला सामने आया है। इसने वित्तीय जगत के साथ कॉर्पोरेट गलियारों को भी हिलाकर रख दिया है। भारतीय मूल के 44 वर्षीय ग्रीन कार्डधारक फाइनेंसर महेंद्र माखीजानी को एक अमेरिकी बैंक से 954 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में बुधवार सुबह उसकी न्यूपोर्ट बीच स्थित आलीशान हवेली से गिरफ्तार किया गया। माखीजानी पर न सिर्फ शेल कंपनियों और फर्जी इंश्योरेंस दस्तावेजों के जरिये बैंक को ठगने का आरोप है, बल्कि उसने बैंककर्मियों को अपने जाल में फंसाने के लिए अश्लील माध्यमों और ड्रग्स पार्टियों का सहारा लिया और हथियारबंद गुंडों के दम पर संपत्तियों पर कब्जे किए। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के फर्स्ट असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी बिलाल एसायली ने संघीय आपराधिक शिकायत के तहत इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। अदालती दस्तावेजों और आईआरएस क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन के एक्टिंग स्पेशल एजेंट इन चार्ज डेरेन लियन के आधिकारिक बयान के अनुसार माखीजानी कैंटर ग्रुप वीएलएलसी नाम की कंपनी चलाता है। बैंक ने इस कंपनी को रियल एस्टेट लोन के लिए 954 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान दिया था। माखीजानी ने सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच शेल कंपनियों का नेटवर्क बनाकर और टाइटल इंश्योरेंस पॉलिसियों में हेरफेर कर बैंक को गलत जानकारी दी।

2 उइगर मुस्लिम थाईलैंड के ब्रह्मा मंदिर में बम ब्लास्ट के दोषी करार, कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की एक अदालत ने 2015 में बैंकॉक के एरावन मंदिर बम धमाके के मामले में दो उइगर मुस्लिमों आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक सिंगापुर का नागरिक भी शामिल था, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एरावन मंदिर बैंकॉक का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है। यहां चार मुख वाले ब्रह्मा की प्रतिमा स्थापित है, जिसे थाई भाषा में फ्रा फ्रोम कहा जाता है। हर दिन हजारों स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक यहां पूजा करने और मनोकामना मांगने आते हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी कार्रवाई से अप्रैल का सीजफायर निष्प्रभावी हो गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमलों ने दोनों पक्षों के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर को बेअसर कर दिया है। गुरुवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति के प्रमुख काजा कैलास के साथ फोन पर हुई बातचीत में अराघची ने हाल के अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने हमलों के खतरनाक नतीजों के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के बेवजह और लगातार हमले के जवाब में कई ईरानी ठिकानों पर और हमले किए हैं। सीईएनटीसीओएम ने एक्स पर लिखा, 'सीईएनटीसीओएम फोर्स ने पूरे ईरान में ईरानी मिलिट्री सर्विलांस कैपेबिलिटी, कम्युनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस साइट्स पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, एयर फोर्स और नेवी के एसेट्स ने ईरानी टारगेट पर सटीक हथियार दागे, जो अमेरिकी फोर्स और इलाके के पानी में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा थे।' इसमें आगे कहा गया, 'ये हमले ईरान के बिना वजह और लगातार हमलों के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी सेना चौकन्नी, खतरनाक और तैयार है।' हमलों के बाद, ईरान के मुख्य मिलिट्री कमांड, खतम अल-अनबिया सेंट्रल

हेडक्वार्टर ने घोषणा की कि होर्मुज स्ट्रेट को सभी तरह के जहाजों के लिए बंद कर दिया गया है, जिसमें तेल टैंकर और कमर्शियल जहाज शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी हमलों का बदला लेने के लिए जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई की धमकी दी और कहा कि अमेरिका आखिरकार ईरान के जरूरी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण कर सकता है। यह बात अमेरिकी फोर्स के तीसरे कमर्शियल टैंकर को निष्क्रिय करने के कुछ घंटों बाद कही गई, जिस पर तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन की नाकाबंदी तोड़ने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना सकता है नया नाम

यारेन , एजेंसी। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा, जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं। राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है। सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं। यूनेस्को नाउरू की मूल भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त मानता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 'नाओएरो' नाम अपनाने से भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है।

फिनलैंड में जयशंकर का दो टूक संदेश, कहा- मजबूत सप्लाई चेन से संभव है स्थिर दुनिया

हेलसिंकी , एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि आज की दुनिया में चल रहे संघर्षों का प्रभाव केवल संबंधित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिलता है। ऐसे में मजबूत और विविधीकृत सप्लाई चेन तथा सक्रिय कूटनीति बेहद जरूरी हो गई है। फिनलैंड में 'कुल्तारांता वार्ता' में भारत का प्रतिनिधित्व

फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में आयोजित कुल्तारांता वार्ता में भाग लेते हुए जयशंकर ने वैश्विक शक्ति संतुलन और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर भारत का दृष्टिकोण रखा। इस चर्चा में फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसैबेह भी शामिल थीं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मौजूदा संघर्ष वैश्विक स्तर पर लागत बढ़ा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर : विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संघर्षों के प्रभाव को कम करने और कूटनीति के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने पर लगातार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को एकजुट होकर वैश्विक स्थिरता की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है।

डी-रिस्किंग और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने की अपील : जयशंकर ने कहा कि आज के अस्थिर वैश्विक माहौल में

सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित, विविध और लचीला बनाना आवश्यक है। उन्होंने डी-रिस्किंग और डाइवर्सिफिकेशन की नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भविष्य की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का रुख स्पष्ट : ऊर्जा सुरक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। देश अपनी जरूरतों के अनुसार ही ऊर्जा खरीदता है, जिसमें उपलब्धता और वहनीयता प्रमुख मानदंड होते हैं। पश्चिम एशिया के साथ संबंधों पर विशेष जोर जयशंकर ने पश्चिम एशिया की भूमिका को भारत की विदेश नीति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए ऊर्जा, रणनीतिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों का केंद्र है।

भारत-यूरोप संबंधों में नई गति : विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। इस वर्ष दोनों पक्षों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत पूरी हुई है, साथ ही रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत-यूरोप संबंधों की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

भारत से सीमा विवाद पर नेपाल सरकार का यू-टर्न, बोला- बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-भारत सीमा विवाद में तीसरे देश की मध्यस्थता मामले में नेपाल सरकार यू-टर्न ले लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशर खनाल ने बताया कि सरकार पड़ोसी देश के साथ सीमा विवाद आपसी बातचीत करके सुलझाना चाहती है। बुधवार को नेपाली संसद में संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद दोनों देश के बीच का मामला है। नेपाल समझौतों, ऐतिहासिक संधियों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा कार्य समूह और अन्य निकायों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है जहां प्रगति काफी समय से रुकी थी।

पहले भी दी है सफाई : बता दें, पिछले हफ्ते ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने समकक्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात भी की थी। मीडिया एजेंसी से बातचीत में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारतीय इलाके पर नेपाल के कब्जे के बारे में दिए गए बयान पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने इस पर पहले ही साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री उस समय बोल रहे थे जब वे सीमा-पार कब्जे से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इसलिए हमने इस बारे में पहले ही साफ कर दिया है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से सदियों से रहा है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है। सदियों से ही नेपाल-भारत में रोटी-बेटी का संबंध रहा है। पिछले कई वर्षों से भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव भी सामने आया।

हाल ही में नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भारत ही नहीं नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए ब्रिटेन से आग्रह भी किया था, जिसे ब्रिटेन ने ठुकरा दिया था। विशेषज्ञों की मानें तो नेपाल ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया।

नहीं रहीं थाइलैंड की भावी रानी, तीन साल से कोमा में थीं प्रिंसेज बज्रकितियाभा

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की भावी शासक राजकुमारी, बज्रकितियाभा का निधन हो गया है। शुक्रवार सुबह शाही परिवार ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न की सबसे बड़ी बेटी और देश की सबसे लोकप्रिय शाही हस्तियों में से एक, 'प्रिंसेस भा' पिछले साढ़े 3 साल से लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कोमा में थीं। अब उनकी मौत से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

पैलेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, 47 वर्षीय राजकुमारी बज्रकितियाभा ने बैंकॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले शाही परिवार ने बीते दिनों एक बयान जारी कर बताया था कि उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। मेडिकल टीम ने बताया था कि उनके पेट और आंतों में इन्फेक्शन फैल गया था और उनके कई अंदरूनी अंगों ने काम

करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात उनका निधन हो गया।

दिसंबर 2022 में हो गई थीं बेहोश : राजकुमारी बज्रकितियाभा दिसंबर 2022 में बैंकॉक में अपने पालतू कुत्तों को वॉक कराने के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी थीं। डॉक्टरों के मुताबिक, दिल में माइकोप्लाज्मा इन्फेक्शन के कारण अचानक उनकी दिल की धड़कनें पूरी तरह अनियमित हो गई थीं। इससे उनके दिमाग में ऑक्सीजन की कमी हुई और वह कोमा में चली गईं। तब से उन्हें मशीनों के सहारे ही जीवित रखा गया था।

सबसे योग्य उत्तराधिकारी थीं प्रिंसेज : राजकुमारी को यहां के लोग प्यार से प्रिंसेज भा कहा करते थे। राजा वजिरालॉन्गकॉर्न की पहली पत्नी सोअमसावली से जन्मीं प्रिंसेज भा का जन्म 7 दिसंबर 1978 को हुआ था। वह अपने पिता की सात संतानों में सबसे बड़ी थीं। बचपन से ही वे काफी मेधावी थीं। आगे चलकर वे वह एक बेहद काबिल वकील थीं। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कानून में एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्रियां हासिल की थीं। इसके बाद उन्हें राजघराने से अहम जिम्मेदारियां भी मिलीं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में थाई मिशन के लिए काम किया। इसके बाद वे 2012 से 2014 तक ऑस्ट्रिया में थाईलैंड की राजदूत रहीं। इसके अलावा प्रिंसेज भा ने थाईलैंड की जेलों में बंद महिला कैदियों की स्थिति सुधारने और ड्रग्स मामलों में मिलने वाली कड़ी सजाओं के खिलाफ कानून में बड़े सुधारों की वकालत भी की थी। 2021 में उनके पिता ने उन्हें अपनी पर्सनल बॉडीगार्ड विंग का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया था और उन्हें जनरल की रैंक दी थी। राजकुमारी बज्रकितियाभा के निधन से थाईलैंड में उत्तराधिकार को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। 73 वर्षीय राजा वजिरालॉन्गकॉर्न ने अभी तक आधिकारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित नहीं किया है। प्रिंसेस भा के निधन से पहले उन्हें ही सबसे योग्य उम्मीदवार माना जा रहा था।

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए। रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने

वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढ़ते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं। पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आर-पार के मूड में जनता : गोलीबारी के बाद भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं। फिर भी, उन्हें जवाब में गोलियां मिली हैं।

ईरान की हिट लिस्ट में कई कंपनियां: मस्क की कंपनी पर भी हमले की आशंका

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने एक चेतावनी जारी की है। उसने कहा है कि वह एलन मस्क के सभी व्यापारिक संस्थानों को सैन्य निशाना मानेगा। इसमें स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) शामिल हैं। ईरान की सरकारी मीडिया 'फार्स' के अनुसार, तेहरान ने अपनी सैन्य हिट लिस्ट बढ़ा दी है। अब इसमें पश्चिम एशिया में मौजूद मस्क की कंपनियों से जुड़े सभी आर्थिक हित और स्टारलिंक के ग्राउंड स्टेशन शामिल हैं।

ईरान का दावा : ईरानी अधिकारियों का दावा है कि मस्क की कंपनियां अमेरिका और इस्त्रायल की सैन्य कार्रवाइयों में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां ड्रोन हमलों और मानवरहित समुद्री जहाजों जैसे आधुनिक हथियारों को चलाने में सहयोग देती हैं। ईरान का मानना है कि अमेरिका ने मस्क की कंपनियों की मदद से युद्ध अपराध किए हैं। इसलिए ईरान इन कंपनियों के ठिकानों पर हमला करने का पूरा अधिकार रखता है।

ईरान की यह चेतावनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिकी सेना ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगी।

ईरान इन कंपनियों पर भी लगा चुका है आरोप : एलन मस्क की कंपनियों को धमकी

देना ईरान की पहली ऐसी कोशिश नहीं है। इस साल की शुरुआत में ईरान की 'इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने अपना ध्यान पारंपरिक हथियारों से हटाकर सूचना तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों पर लगाया था। आईआरजीसी ने 18 से ज्यादा बड़ी अमेरिकी कंपनियों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल किया है। इसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एनवीडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा बोइंग, टेस्ला और पालान्टिर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खबरों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा सेंटरों को ईरानी ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचा था। इन हमलों की वजह से वहां बिजली की सप्लाई रुक गई थी और आग बुझाने वाले सिस्टम से पानी निकलने के कारण काफी नुकसान हुआ था। ईरान अब इन सभी कंपनियों को जायज निशाना मान रहा है।

ईरान पर हमला नहीं करेगा अमेरिका, ट्रंप ने लिया यू-टर्न

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ तय किए गए बड़े हमलों को अचानक रद्द कर दिया है। साथ ही उन्होंने व्यापक शांति समझौते की संभावना जताई है और कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने का समय व स्थान बहुत जल्द घोषित किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर विस्तृत पोस्ट में लिखा कि ईरान के साथ हुई चर्चाओं के अंतिम बिंदुओं को संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्त्र और अन्य सभी संबंधित पक्षों ने मान लिया है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व के उच्चतम स्तर पर बातचीत पहुंचाई गई थी और उसे मंजूरी मिल चुकी है। इसलिए मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आज शाम ईरान के खिलाफ निर्धारित सभी हमलों और बमबारी को रद्द कर दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि शांति समझौता अंतिम रूप से हस्ताक्षरित होने तक नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह लागू रहेगी। हस्ताक्षर की तारीख, समय और स्थान की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

कुछ घंटे पहले दी थी सख्त चेतावनी : इससे महज कुछ घंटे पहले ट्रंप ने ईरान पर 'बहुत कड़ी और शक्तिशाली' कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उन्होंने ईरान के प्रमुख तेल बुनियादी ढांचे पर कब्जे की बात कही थी, जिसे पूर्ण युद्ध की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा था। ट्रंप ने लगातार तीसरी रात 'बड़े और अधिक शक्तिशाली' हमलों की धमकी देते हुए कहा था कि तेहरान को अपने नाममात्र के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलना होगा। उन्होंने खासतौर पर खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा था कि हम खार्ग द्वीप और ईरान की अन्य महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना सुविधाओं पर

कब्जा कर लेंगे। वेनेजुएला की तरह हम उनके तेल और गैस बाजारों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर देंगे।

चरम पर पहुंच गया था तनाव : दरअसल, हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए, जिन्हें वाशिंगटन ने खाड़ी क्षेत्र में तैनात अपने अपाचे हेलीकॉप्टर को ईरानी बलों द्वारा गिराए जाने का जवाब बताया। ईरान ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे 'झूठा बहाना' करार दिया। जवाब में तेहरान ने बहरीन, जॉर्डन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल व ड्रोन हमले किए। इसके अलावा ईरान ने होर्मुज की निगरानी करने वाले नए सैन्य निकाय के जरिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग को अगले आदेश तक बंद करने की घोषणा कर दी थी। अमेरिका ने ईरान की इस घोषणा को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि होर्मुज जलमार्ग अंतरराष्ट्रीय आवागमन के लिए खुला रहेगा और किसी भी बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ट्रम्प का दावा- ईरान परमाणु हथियार भी नहीं खरीदेगा : राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने न सिर्फ परमाणु हथियार विकसित नहीं करने, बल्कि उन्हें खरीदने से भी सहमति जताई है। ट्रम्प के मुताबिक, शुरुआती समझौते में सिर्फ परमाणु हथियार विकसित न करने की बात थी। उन्होंने कहा, 'मैंने पूछा कि खरीदने का क्या होगा? उन्होंने कहा कि यह शामिल नहीं है। दो दिन बाद वे इस पर भी सहमत हो गए। हमें वह सब मिल गया जो हम चाहते थे।' होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला टालने के फैसले के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.21 डॉलर यानी 1.3% गिरकर 89.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी WTI क्रूड 1.23 डॉलर यानी 1.4% टूटकर 86.48 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ0प्र0) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)